RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

बात आपकी मित्रवर, सोलह आने ठीक।
पेपर ठोस बनाइये, कैसे होगा लीक।
कैसे होगा लीक, ठोस यदि होगा पर्चा।
सॉलिड इसको रखें, भले हो कितना खर्चा।
कह साहिल कविराय, कौन माने ना माने।
बात आपकी ठीक, मित्रवर सोलह आने।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 186 | WEDNESDAY DATE 29-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

धर्मेंद्र प्रधान को नया मंत्रीपद मिलने की खबरें ह्यनिराधारह्णः संबित पात्रा

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई। भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया जिनमें दावा किया जा रहा था कि ओडिशा सांसद धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार ने उन्हें दूसरा मंत्रीपद का प्रस्ताव दिया है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसे 'काल्पनिक' और 'निराधार' करार देते हुए संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल से बाहर आने के बाद श्री प्रधान को कोई दूसरा मंत्रालय दिए जाने की खबरों में कोई सचाई नहीं है। उल्लेखनीय है कि जंतर मंतर पर हुए आंदोलन की मुख्य मांग श्री प्रधान का मंत्रिमंडल से इस्तीफे की थी। करीब एक महीने तक चले इस आंदोलन का पटाक्षेप ही तब हुआ जब श्री प्रधान ने अपने पद को छोड़ने का ऐलान किया। शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे की घोषणा के बाद पहली बार अपने गृह राज्य ओडिशा पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान का मंगलवार को भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर भी जोरदार स्वागत हुआ।

जंतर-मंतर पर भीड़ के बीच थे 2900 अपराधी, दिल्ली पुलिस ने एआई वाले खास कैमरों कर की पहचान

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई। कॉकरोज जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर हुए विरोध-प्रदर्शन में दिल्ली पुलिस ने एआई वाले खास कैमरों (फेशियल रिकग्निशन सिस्टम) का इस्तेमाल किया। इन कैमरों ने भीड़ में मौजूद हजारों लोगों के चेहरों को पुलिस के क्रिमिनल रिकॉर्ड से मिलाया, जिससे हत्या, डकैती और अपहरण जैसे गंभीर मामलों के 989 पुराने आरोपियों की पहचान हो सकी। पुलिस के अनुसार, इस सिस्टम ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले लगभग 2,900 लोगों की पहचान की। इनमें हत्या, डकैती, रेप और अपहरण जैसे गंभीर अपराधों के आरोपी भी शामिल थे। ऐसा प्रदर्शन वाली लोकेशन के आस-पास लगे फेशियल रिकग्निशन सिस्टम कैमरों की मदद से किया गया। पुलिस ने बताया कि इस टेक्नोलॉजी ने प्रदर्शन में शामिल लोगों के चेहरों की तुलना पहले से मौजूद क्रिमिनल डेटाबेस से की, ताकि पुराने रिकॉर्ड वाले लोगों की पहचान की जा सके।

नरेला में नकली दवाओं और स्टेरॉयड का बड़ा रैकेट पकड़ा, भारी मात्रा में अवैध सामग्री जब्त

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई।**

दिल्ली के नरेला इलाके में नकली दवाओं और एनाबॉलिक स्टेरॉयड के कथित अवैध निर्माण व भंडारण से जुड़े एक बड़े रैकेट का पदार्फाश हुआ है। दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने हरियाणा के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर दो दिवसीय संयुक्त अभियान चलाया, जिसमें एक रिहायशी अपार्टमेंट से बड़ी मात्रा में संदिग्ध नकली दवाएं, स्टेरॉयड, रॉ मटेरियल, निर्माण उपकरण और पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान के दौरान अधिकारियों ने बिना लाइसेंस संचालित एक कथित अवैध दवा निर्माण और पैकेजिंग इकाई का पता लगाया। मौके से सीलिंग मशीनें, सील क्रिम्पिंग डिवाइस, हीट गन, इलेक्ट्रिक स्टिरर, सटीक वजन करने वाली मशीनें, इंडस्ट्रियल फिल्टर पेपर, ग्लास बीकर, रबर क्लोजर और फ्लिप-ऑफ कैप सहित कई उपकरण बरामद किए गए। जांच टीम ने बड़ी संख्या में बिना लेबल वाली गोलियां, जिनके टोफैसिटिनिब होने का संदेह है, विभिन्न प्रकार के एनाबॉलिक स्टेरॉयड की शीशियां तथा दवा निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक पदार्थ भी जब्त किए। मौके पर मौजूद व्यक्ति ने अधिकारियों को बताया कि अपार्टमेंट एलोपैथिक दवाओं के स्टॉक और पैकेजिंग के लिए किराये पर लिया गया था।

डीटीसी बस में रेखा गुप्ता, लैंडफिल से जलभराव तक लिया जायजा

बोलीं, फाइलों पर नहीं, जमीन पर दिखेगा विकास कार्य, राजधानी को स्वच्छ व सुगम बनाना प्राथमिकता

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को डीटीसी बस में सफर कर राजधानी की जमीनी हकीकत का खुद जायजा लिया। बारिश के दौरान उन्होंने लैंडफिल साइटों, जलभराव संभावित क्षेत्रों, सड़कों, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्य केवल फाइलों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि हर परियोजना की प्रगति जमीनी स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी। राजधानी को स्वच्छ, सुरक्षित और विश्वस्तरीय बनाने के लिए सभी विभागों को मिशन मोड में काम करने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री ने जन सेवा सदन से बस द्वारा निरीक्षण यात्रा प्रारंभ की, जो आउटर रिंग रोड, मधुबन चौक होते हुए रोहिणी स्थित सेक्टर-33 के डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक पहुंची। यात्रा के दौरान उन्होंने मार्ग में लैंडफिल साइटों पर चल रहे कचरा निष्पादन कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि राजधानी में कूड़े के पहाड़ों को समाप्त करने के लिए चल रहे अभियान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री रवीन्द्र इन्द्राज सिंह समेत संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान वर्षा के कारण संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों, प्रमुख सड़कों की सफाई व्यवस्था और सड़क किनारे जमा मलबे एवं कचरे की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए और किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए।

कांवड़ शिविरों के लिए बढ़ा सरकारी अनुदान, 1,200 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई दिल्ली मंत्रिमंडल की बैठक में कांवड़ यात्रा-2026 के लिए कांवड़ समितियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। सरकार ने श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या, शिविरों के संचालन पर बढ़ते खर्च और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी श्रेणियों के कांवड़ शिविरों की अनुदान राशि बढ़ाने का फैसला किया है। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, 20,000 वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में 6 से 12 दिन तक संचालित होने वाले बड़े कांवड़ शिविरों को अब अधिकतम 15 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। इसके अलावा अन्य सभी श्रेणियों के शिविरों की अनुदान राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। कांवड़ समितियों को पहले की तरह 1,200 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का उद्देश्य कांवड़ समितियों को पर्याप्त सहयोग देकर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर, सुरक्षित और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना है।

पीएम मोदी ने बाढ़ की स्थिति पर असम के सांसदों से की चर्चा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को असम के सांसदों से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल और पवित्र मार्गेरिटा ने बैठक में उन्होंने राज्य में बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। पीएम मोदी ने कहा, यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि असम भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। इस बाढ़ से कई जिले प्रभावित हुए हैं, बड़े इलाकों में पानी भर गया है और लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित हुआ है। बाढ़ प्रभावित कई इलाकों में राहत और बचाव कार्य जारी हैं। हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित होकर राज्य प्रशासन की ओर से बनाए गए राहत शिविरों में रह रहे हैं। बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र और असम सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री ने राज्य को हरसंभव मदद का भरोसा दिया है।

जम्मू-कश्मीर में बस दुर्घटना में 39 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल

श्रीनगर, यूटर्न/ 28 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में मंगलवार को सड़क हादसे में अमरनाथ यात्रा के 39 यात्री घायल हो गए। इस घटना पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने चिंता जताई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुंड, कंगन में हुई सड़क दुर्घटना पर गहरी चिंता जताई, जिसमें यात्रा पूरी कर श्रीनगर लौट रहे कई तीर्थयात्री घायल हो गए। उन्होंने घायलों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं और स्वास्थ्य मंत्री सकीना इटू को एसकेआईएमएस जाकर उनके इलाज की देखरेख करने के लिए भेजा। एलजी सिन्हा ने कहा कि उन्होंने घायल तीर्थयात्रियों की हालत के बारे में जानने के लिए गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर और स्वास्थ्य अधिकारियों से बात की।

दिल्ली की महिलाओं को रक्षाबंधन पर 2500 रुपए का तोहफा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की गरीब महिलाओं को आश्वस्त किया कि इस रक्षाबंधन पर उन्हें दिल्ली लक्ष्मी योजना की 2500 की पहली किस्त मिल जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट ने मंगलवार को लक्ष्मी योजना पर मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया कि 1 अगस्त से पोर्टल काम करना शुरू कर देगा। पोर्टल शुरू होते ही पात्र महिलाएं ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि उनकी सरकार आपके ही आशीर्वाद से बनी है। दरअसल इस योजना की घोषणा भाजपा ने मोदी की गारंटी के रूप दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान घोषणा पत्र में की थी।

एंटी पेपर लीक बिल मोदी सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण : बांसुरी स्वराज

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई।**

लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने विधेयक का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक जरूरी कानून नहीं बल्कि आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इस विधेयक को लाना मोदी सरकार की जिम्मेदारी और छात्रों के भविष्य के प्रति उसकी संवेदनशीलता का प्रमाण है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि पेपर लीक एक घोर अपराध है। यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि मोदी सरकार की स्पष्ट नीयत और प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि इसी सोच के साथ सरकार यह संशोधन विधेयक लेकर आई है ताकि परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि आज परीक्षा माफिया संगठित रूप से काम कर रहा है, इसलिए उससे निपटने के लिए मजबूत कानून की जरूरत थी। यह विधेयक न्यायिक प्रक्रिया में आने वाली कई व्यावहारिक कठिनाइयों को भी दूर करता है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात का जिक्र किया कि इस कानून में जांच के लिए केंद्र सरकार को टास्क फोर्स बनाने का अधिकार दिया गया है। खुद को वकील बताते हुए उन्होंने कहा कि यह एक मजबूत और प्रभावी कानूनी व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को बधाई भी दी।

छात्रों को न्याय तभी मिलेगा, जब व्यवस्था में होगा आमूलचूल बदलाव : अखिलेश यादव

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई।**

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि देश में छात्रों को न्याय तभी मिल सकता है, जब शिक्षा और शासन व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव किया जाए। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश याददव ने कहा कि छात्रों के आंदोलन को उनके परिवारों का भी व्यापक समर्थन मिला, जिसकी वजह से यह आंदोलन इतना बड़ा बन गया कि आखिरकार केंद्र सरकार को उनकी मांगों के आगे झुकना पड़ा। उन्होंने कहा कि केवल किसी मंत्री का इस्तीफा पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवस्था की सोच और कार्यप्रणाली में भी बदलाव जरूरी है। अखिलेश यादव का यह बयान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के संदर्भ में आया। परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर कई सप्ताह तक चले छात्र आंदोलन के बाद शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। सपा प्रमुख ने कहा, 'जब तक स्थापित व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव नहीं होगा, तब तक छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा।' उत्तर प्रदेश का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य में 20 से अधिक परीक्षा पत्र लीक हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि हालिया छात्र आंदोलन में शामिल अधिकांश युवा और छात्र उत्तर प्रदेश से थे। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि युवाओं के दबाव और जनसमर्थन के कारण केंद्र सरकार को झुकना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ गठबंधन के कई सांसदों को सरकार गिरने की आशंका सताने लगी थी...

संवैधानिक संतुलन का आधार है शक्तियों का विभाजन : विजेंद्र गुप्ता

» दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

भारत का संवैधानिक लोकतंत्र उन संस्थाओं की मजबूती पर आधारित है, जो अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए एक-दूसरे का सम्मान करती हैं। विधायिका और न्यायपालिका की भूमिकाएँ अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों का उद्देश्य न्याय, जवाबदेही और कानून के शासन को मजबूत करना है। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को युवा जनसंपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक परिसर का भ्रमण करने आए 45 प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही।

कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, लोकसभा के पूर्व महासचिव पी. डी. टी. आचार्य, दिल्ली सरकार के विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग के प्रधान सचिव रीतेश सिंह तथा दिल्ली विधानसभा के सचिव डॉ. युमनाम अरुण कुमार भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शक्तियों का विभाजन संस्थाओं को एक-दूसरे से अलग करने का सिद्धांत नहीं है, बल्कि यह ऐसा संवैधानिक ढांचा है जिसमें शासन का प्रत्येक अंग संयम, उत्तरदायित्व और अन्य संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र का सम्मान करते हुए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि न्यायिक और विधिक क्षेत्र में प्रवेश करने वाले युवाओं के लिए इस संतुलन को समझना अत्यंत आवश्यक है।

गुप्ता ने प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारियों और विधि छात्रों से कहा कि वे कानून को केवल नियमों का संग्रह न मानें, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, विवादों के समाधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास मजबूत करने का प्रभावी माध्यम समझें।

उन्होंने कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों का ज्ञान ईमानदारी, संवेदनशीलता और विवेकपूर्ण निर्णय क्षमता के साथ होना चाहिए, क्योंकि न्याय प्रणाली से जुड़े लोगों के निर्णय सीधे नागरिकों के जीवन और सम्मान को प्रभावित करते हैं। दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न्यायिक अधिकारियों और विधि छात्रों को विधायिका की कार्यप्रणाली तथा कानून निर्माण की प्रक्रिया को निकट से समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाओं के साथ इस प्रकार का संवाद युवा न्यायिक अधिकारियों और विधि छात्रों में संवैधानिक परंपराओं तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की अलग-अलग लेकिन एक-दूसरे की पूरक भूमिकाओं की बेहतर समझ विकसित करता है। भारतीय संविधान में शक्तियों का विभाजन कठोर नहीं है, बल्कि यह विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक सुविचारित संतुलन पर आधारित है, लोकसभा के पूर्व महासचिव पी. डी. टी. आचार्य ने व्यवहार में विधायिका-न्यायपालिका संबंध : शक्तियों का विभाजन विषय पर अपने संबोधन में कहा। उन्होंने बताया कि संसद और राज्य विधानमंडल कानून बनाते हैं, जबकि न्यायालय उनकी व्याख्या करते हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर न्यायिक व्याख्या के माध्यम से कानूनी रिक्तताओं को भी भरते हैं। उन्होंने अनुच्छेद 123 के अंतर्गत अध्यादेश जारी करने की शक्ति का उदाहरण देते हुए कहा कि यद्यपि अध्यादेश कार्यपालिका द्वारा जारी किया जाता है, फिर भी उसे संसद के अधिनियम के समान कानूनी प्रभाव प्राप्त होता है। आचार्य ने केशव सिंह प्रकरण सहित विधायी विशेषाधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों का उल्लेख करते हुए विधायी कार्यवाही में न्यायपालिका के हस्तक्षेप की सीमा तथा संविधान के अनुच्छेद 105 और 194 के अंतर्गत विधानमंडलों की शक्तियों और विशेषाधिकारों पर प्रकाश डाला।

ई-बसों के जरिये मेट्रो व नमो भारत से जुड़ेंगे हरनंदीपुरम और एयरोसिटी

गाजियाबाद, यूटर्न/ 28 जुलाई । एयरोसिटी और हरनंदीपुरम आवासीय योजना के साथ शहर में नया ट्रांसपोर्ट सिस्टम भी विकसित किया जाएगा। इसके लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) नगर निगम की मदद लेगा। अक्तूबर में योजना लॉन्च करने से पहले सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की पूरी रूपरेखा तैयार करने की कवायद शुरू कर दी गई है। हरनंदीपुरम की डीपीआर भी इसी महीने तैयार होने की उम्मीद है। इसके बाद योजना को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

जीडीए के चीफ इंजीनियर आलोक रंजन ने बताया कि हरनंदीपुरम और एयरोसिटी को शहर के अन्य हिस्सों से जोड़ने के लिए सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था की जाएगी। इसके तहत ई-बसें चलाने की योजना बनाई जा रही है। ये बसें नई योजनाओं को शहर के प्रमुख हिस्सों से जोड़ेंगी। बसों की संख्या और रूट का निर्धारण बोर्ड बैठक में प्रस्ताव आने के बाद किया जाएगा। हरनंदीपुरम, एयरोसिटी और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को जोड़ने के लिए छह लेन की बंधा रोड, एनपीआर और आउटर रिंग रोड विकसित की जा रही हैं।

ह्यस्वस्थ समाज, संस्कारित समाजह्ण के संकल्प के साथ जाट धर्मशाला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन: डॉ. कृष्ण श्योकंद

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 28 जुलाई । अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में आज पिनेकल मेडिकल सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में धर्मशाला के सदस्यों, स्थानीय नागरिकों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

मेडिकल कैंप के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की टीम द्वारा प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में विभिन्न प्रकार की आवश्यक चिकित्सीय जांचें निःशुल्क की गईं तथा लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया। उपस्थित लोगों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। स्वास्थ्य शिविर के साथ-साथ इस्कॉन द्वारा भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना को समर्पित भजन-कीर्तन एवं मंत्र-जप कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला की समस्त कार्यकारिणी, समिति सदस्यों तथा समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से हरे कृष्ण महामंत्र का जप किया, जिससे संपूर्ण परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर इस्कॉन की ओर से सभी उपस्थित श्रद्धालुओं एवं अतिथियों को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट स्वरूप प्रदान की गई तथा गीता के सार्वभौमिक संदेशों को अपने जीवन में अपनाने का आ'ान किया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अत्यंत प्रेरणादायक हैं।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद ने कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण केवल बेहतर चिकित्सा सुविधाओं से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक एवं नैतिक मूल्यों से भी होता है। पिनेकल मेडिकल सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर तथा इस्कॉन द्वारा आयोजित भजन-कीर्तन एवं श्रीमद्भगवद्गीता वितरण जैसे कार्यक्रम समाज को सेवा, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला सदैव ऐसे जनकल्याणकारी एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों के आयोजन के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता तथा सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन के लिए इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। डॉ. कृष्ण श्योकंद ने इस सफल आयोजन के लिए पिनेकल मेडिकल सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, इस्कॉन की टीम, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों तथा सभी उपस्थित नागरिकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से ऐसे सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे और अधिक से अधिक लोगों को इनका लाभ मिलेगा।

दवा, बेडशीट और एक्स-रे मशीन खरीद से जुड़ी फाइलें लापता: सौरभ भारद्वाज

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार पर कथित 650 करोड़ रुपये के दवा खरीद घोटाले से जुड़ी महत्वपूर्ण फाइलें गायब होने का आरोप लगाया है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को कहा कि दवाइयों, बेडशीट, ओआरएस, एक्स-रे मशीनों और अन्य स्वास्थ्य उपकरणों की खरीद से संबंधित कई अहम फाइलें सरकारी दफ्तरों से गायब हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इस मामले में जवाब देने की मांग की है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के कारण इस मुद्दे पर कम चर्चा हो सकी थी, लेकिन अब एक बार फिर कथित स्वास्थ्य घोटाले का मामला सामने आया है। उनका आरोप है कि जिन फाइलों में टेंडर, सप्लाई ऑर्डर, वर्क ऑर्डर, खरीदे गए सामान की मात्रा और उसके वितरण का रिकॉर्ड दर्ज था, वे अब उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार के कार्यालयों में 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे संचालित होते हैं और वहां सुरक्षा व्यवस्था भी रहती है। ऐसे में सरकारी दफ्तरों से इस तरह महत्वपूर्ण फाइलों का गायब होना गंभीर मामला है और इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

आप नेता के अनुसार इन फाइलों में कथित तौर पर यह विवरण दर्ज था कि 10 से 11 लाख रुपये कीमत वाली एक्स-रे मशीनें 30 से 32 लाख रुपये में खरीदी गईं। इसी तरह ओआरएस के 50 लाख पैकेट, 16 लाख से अधिक बेडशीट और दवाइयों की खरीद में भी कथित तौर पर अनियमितताएं हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग 75 करोड़ रुपये में बेडशीट और 100 करोड़ रुपये मूल्य की दवाइयों की खरीद करीब 400 करोड़ रुपये में की गई। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि फाइलें उपलब्ध नहीं होने के कारण जांच एजेंसियों के सामने यह पता लगाने में भी कठिनाई आ रही है कि खरीदी गई 16 लाख से अधिक बेडशीट अस्पतालों तक पहुंचीं या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी इतनी महत्वपूर्ण फाइलें आखिर कैसे गायब हो गईं।

दो मासूम भाइयों से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत फिर नामंजूर

गाजियाबाद, यूटर्न/ 28 जुलाई । नंदग्राम थाना क्षेत्र में दो सगे मासूम भाइयों के साथ यौन शोषण के मामले में गिरफ्तार 65 वर्षीय आरोपी राजकुमार को पॉक्सो अदालत से एक बार फिर राहत नहीं मिली। अदालत ने उसकी जमानत अर्जी खारिज करते हुए कहा कि मामले की विवेचना पूरी हो चुकी है और पुलिस आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। उपलब्ध साक्ष्यों तथा पीड़ित बच्चों के बयानों के आधार पर इस स्तर पर आरोपी को जमानत देना न्यायहित में उचित नहीं होगा।

अभियोजन के अनुसार छह और सात वर्ष के दोनों भाई 31 मई 2026 की शाम घर के बाहर खेल रहे थे। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला राजकुमार उन्हें अपने घर ले गया, जहां उसने बच्चों को धमकाकर उनके साथ यौन शोषण किया। आरोप है कि वह इससे पहले भी दोनों बच्चों का शोषण कर चुका था। घटना के बाद दर्ज मुकदमे में पुलिस ने आरोपी को दो जून 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपी निर्दोष है और उसे झूठा फंसाया गया है। यह भी कहा गया कि वह 65 वर्ष का बुजुर्ग है, उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है तथा वह उच्च रक्तचाप और हृदय रोग से पीड़ित है। बचाव पक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कराने में हुई देरी का भी उल्लेख किया। अभियोजन ने जमानत का विरोध करते हुए अदालत को बताया कि दोनों पीड़ित बच्चों ने अपने बयानों में आरोपी के खिलाफ स्पष्ट आरोप लगाए हैं। साथ ही आशंका जताई कि जमानत मिलने पर आरोपी गवाहों को प्रभावित कर सकता है।

वीबी-जी राम जी योजना से गांवों में विकास और रोजगार को मिली नई रफ्तार, 519 परिवारों को मिला रोजगार

पौधारोपण से हरियाली, रोजगार से खुशहाली, वीबी-जी राम जी योजना के तहत 244 विकास कार्य प्रगतिशील

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 28 जुलाई । ग्रामीण विकास को गति देने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित वीबी-जी राम जी (विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन ग्रामीण एक्ट-2025) के तहत मंगलवार को गांव बड़ौली स्थित व्यायामशाला परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) डॉ. किरण सिंह ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आ'ान किया। उन्होंने बताया कि वीबी-जी राम जी योजना देशभर में 1 जुलाई 2026 से लागू की गई है। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ-साथ आधारभूत विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जिला में वर्तमान समय में पौधारोपण के 14 कार्य प्रगतिशील हैं, जिनके तहत अब तक 6,500 से 7,000 पौधे लगाए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि जिले की 48 ग्राम पंचायतों में योजना के अंतर्गत 244 विकास कार्य क्रियान्वित किए जा रहे हैं। इनमें मुख्य रूप से तालाबों की खुदाई, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के कार्य तथा पौधारोपण अभियान शामिल हैं। इन कार्यों के माध्यम से गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिल रही है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि योजना लागू होने के बाद से अब तक 6,806 मानव-दिवस का सृजन किया जा चुका है, जबकि 519 परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूत करने के साथ-साथ गांवों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य विकास कार्यों को गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करना है। साथ ही पौधारोपण अभियान को जनभागीदारी से जोडकर जिले को अधिक हरित और स्वच्छ बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का भी आ'ान किया।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने सेक्टर 5 में किया 46 लाख की लागत के विकास कार्यों का शुभारंभ

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 28 जुलाई । हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से शहर के विकास के लिए 46 लाख का बजट खर्च किया जाएगा। इतना ही नहीं शहर के विकास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बजट की कोई कमी नहीं रख रहे। आए दिन शहर में एक के बाद एक विकास कार्यों के उदघाटन व शिलान्यास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के किसी भी प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास ले जाने के देरी हैं, वहां से परियोजना को मंजूरी साथ के साथ मिल रही है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा मंगलवार को सेक्टर 5 में 46 लाख की लागत के विकास कार्यों का उदघाटन करने उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि

इस बजट से सेक्टर 5 में ग्रीन बेल्ट की चार दीवारी, ग्रीन बेल्ट में ग्रिल, नागरिकों के बैठने के लिए बैंच इत्यादि का विकास कार्य किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही थानेसर हल्का का चहुंमुखी विकास कार्य 3 गुणा गति के साथ किया जा रहा है। इस सरकार ने गांव और शहरों के हर वार्ड का सामान रूप से विकास कार्य करवाया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से थानेसर हल्का के विकास का सैंकडों करोड का बजट खर्च किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने सबका साथ सबका विकास की नीति को आधार मानकर विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाने का काम किया है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पाबड़ा (हिसार) में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा नशे के विरुद्ध जागरूकता

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 28 जुलाई । हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री संजय कुमार, आईपीएस के दिशा-निर्देशों तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त, फरीदाबाद एवं ब्यूरो के पुलिस उप-महानिरीक्षक श्री राजेंद्र कुमार मीणा, आईपीएस एवं पुलिस उप-महानिरीक्षक श्री मनबीर सिंह, आईपीएस के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में चलाए जा रहे नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पाबड़ा (हिसार) में नशे के विरुद्ध व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के उप प्राचार्य हंसराज ने की। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उपनिरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को भी कमजोर करता है। यदि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी तो देश का भविष्य सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने मित्रों, परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आ'वान किया। डॉ. वर्मा ने काव्य और गायन के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, 'नशा है नाश, करो विश्वास; नशा होता अच्छा तो माँ कहती—खा ले मेरे बच्चा। यदि नशा होता अच्छा तो पिता कहता—ले थोड़ी-सी पी, क्यों करता है चिंता, अपनी जिंदगी जी।' उन्होंने कहा कि वास्तव में ऐसा कभी नहीं हो सकता, क्योंकि नशा जीवन को बबार्दी की ओर ले जाता है। उन्होंने नशे के चक्रव्यूह की व्याख्या करते हुए कहा कि 'नशा शौक से आरम्भ होता है और उसका अंत शोक पर होता है। शौक और शोक में केवल एक मात्रा का अंतर है।' उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियां पूरी तत्परता से कार्य कर रही हैं, किंतु जागरूकता के अभाव में नशा तस्कर अपने स्वार्थ के लिए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

एमएमएच कॉलेज पर एबीवीपी का हल्ला बोल प्रदर्शन

गाजियाबाद, यूटर्न/ 28 जुलाई । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की गाजियाबाद महानगर इकाई ने एमएमएच डिग्री कॉलेज में विभिन्न समस्याओं और कार्यवाहक प्राचार्य की नियुक्ति को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कॉलेज में मौजूद कार्यवाहक प्राचार्य से वार्ता करने से इन्कार करते हुए सीधे प्रबंध समिति को ज्ञापन सौंपने की मांग की। एबीवीपी कार्यकर्ता तनिष्क शिशौदिया का आरोप है कि कॉलेज में विद्यार्थियों और शिक्षकों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इनके समाधान के लिए प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा है। संगठन ने कॉलेज प्रशासन पर अपने तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया है। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी ने कार्यवाहक प्राचार्य की नियुक्ति को लेकर गंभीर सवाल उठाए। संगठन का दावा है कि नियमों के अनुसार प्रबंध समिति किसी वरिष्ठ अध्यापक को अधिकतम तीन महीने तक कार्यवाहक प्राचार्य की जिम्मेदारी दे सकती है। एबीवीपी ने भूगोल विभाग में शिक्षकों की कमी का मुद्दा भी उठाया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि विभाग में शिक्षकों की कमी होने के बावजूद शिक्षकों को एनओसी देकर दूसरी जगह जाने की अनुमति दी जा रही है। संगठन ने कहा कि इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई और उनके भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि एबीवीपी ने कॉलेज में खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने, निशुल्क पार्किंग, स्वच्छता व्यवस्था में सुधार समेत कुल 22 मांगों को लेकर प्रबंध समिति को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने प्रबंध समिति को 48 घंटे का समय देते हुए मांगों पर कार्रवाई की मांग की है।

अग्रोहा धाम में जनता के सहयोग से करोड़ों रुपए की लागत से विकास कार्य चल रहा है: बजरंग गर्ग

अग्रोहा धाम में माता लक्ष्मी जी व महाराजा अग्रसेन जी का मंदिर के अलावा बाबा हनुमान जी की 90 फुट ऊंची प्रतिमा आकर्षण का केंद्र है : बजरंग गर्ग

» हरियाणा, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की मीटिंग अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में अग्रोहा धाम के विकास व गुरु पूर्णिमा की तैयारी पर विचार किया गया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि अग्रोहा धाम में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर छप्पन भोग, सवामणि व भंडारे का कार्यक्रम आयोजित होगा। अग्रोहा धाम में जनता के सहयोग से करोड़ों रुपए की लागत से विकास कार्य चल रहा है। अग्रोहा धाम में 280 कमरों का सौंदर्यीकरण करवाया गया है और 100 कमरों में नई एसी लगवाएं गए हैं।

देश के कौने-कौने से आने वाले यात्रियों के लिए ठहरने व खान की बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। यहां तक की अग्रोहा धाम में सभी देवी-देवताओं के भव्य मंदिर बने हुए हैं। अग्रोहा धाम में माता लक्ष्मी जी व महाराजा अग्रसेन जी का मंदिर के अलावा बाबा हनुमान जी की 90 फुट ऊंची प्रतिमा आकर्षण का केंद्र है। इतना ही नहीं 400 मीटर गुफा में स्थित मां वैष्णो देवी जी, बाबा अमरनाथ जी का बफार्नी मंदिर, भैरव बाबा जी के मंदिर में हर रोज हजारों भक्त दर्शन के लिए आते हैं। अग्रोहा धाम में साथ देश की जनता की आस्था जुडी हुई है। अग्रोहा धाम में जो भी भक्त दर्शन के लिए आते हैं उनके परिवार पर विशेष कृपा मां लक्ष्मी जी की बनी रहती है। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने आए हुए प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पवन गर्ग, अनंत अग्रवाल, महेश अग्रवाल, ऋषि राज गर्ग, आनंद गोयल, रवि सिंगला, निरंजन गोयल, आशीष सिंगला हिसार, बृज किशोर गोयल अयोध्या, पारुल अग्रवाल जयपुर, चंद्र प्रकाश अग्रवाल पाली, सुबोध जैन भरतपुर, अंकित गोयल अजमेर, हरीश सिंगला मंडी गोबिंदगढ़, नवनीत गोयल मेघालय, मनोज अग्रवाल रामपुर, जगन मित्तल सहारनपुर, मुकेश गोयल बेंगलुरु आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

गौरव मोदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया अपना दर्द, कहा- दबाव में लिया गया निवेश

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

JCB India Ltd. से जुड़े एक बहुचर्चित कारोबारी विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। कंपनी के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा थाने में दर्ज एफआईआर को लेकर सोमवार को नई दिल्ली के Le Méridien Hotel में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिकायतकर्ता पक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि लगभग 50 करोड़ के निवेश के बावजूद उन्हें आर्थिक शोषण, मानसिक उत्पीड़न और कथित आपराधिक धमकियों का सामना करना पड़ा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिकायतकर्ता गौरव मोदी, निदेशक कृष्णा ऑटो राइडर्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह मामला केवल एक कारोबारी विवाद नहीं, बल्कि न्यायालय के आदेश के बाद दर्ज आपराधिक प्रकरण है। उन्होंने न्यायालय के आदेश, एफआईआर और अन्य दस्तावेजों का हवाला देते हुए पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्ष 2017-18 में JCB India Ltd. के साथ डीलरशिप संबंध स्थापित होने के बाद उन्हें व्यवसाय के विस्तार के नाम पर लगातार बड़े पैमाने पर निवेश के लिए प्रेरित किया गया। आरोप है कि भूमि खरीद, अत्याधुनिक शोरूम, सर्विस सेंटर, भवन निर्माण, मशीनरी, उपकरण, फर्नीचर, स्पेयर पार्ट्स, स्टाफ भर्ती और प्रशिक्षण सहित विभिन्न मदों में करीब 50 करोड़ का निवेश किया गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी आरोप लगाया गया कि निवेश के बाद कंपनी के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर अतिरिक्त धनराशि की कथित मांग की गई।

शिकायतकर्ता का दावा है कि कथित मांगें पूरी नहीं करने पर डीलरशिप के नवीनीकरण और विस्तार को लेकर दबाव बनाया गया तथा मानसिक उत्पीड़न, आर्थिक शोषण और आपराधिक धमकियां दी गईं। शिकायतकर्ता के अनुसार, डीलरशिप समाप्त करने की चेतावनी देकर उन पर लगातार दबाव बनाया गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ। शिकायतकर्ता पक्ष ने बताया कि पहले पुलिस से शिकायत की गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया। इसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कटघोरा ने उपलब्ध दस्तावेजों और तथ्यों पर विचार करते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया।

कांग्रेस संगठन की मजबूती बूथ और ब्लॉक स्तर से ही संभव : डॉ. ओमवीर सिंह पंवार

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 28 जुलाई । ब्लॉक कांग्रेस शहरी पानीपत के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद भाई जय कुमार बिंदल ने अपनी नियुक्ति के उपरांत वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी डॉ. ओमवीर सिंह पंवार के निवास पर पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आशीर्वाद, मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त किया।

इस अवसर पर डॉ. ओमवीर सिंह पंवार ने भाई जय कुमार बिंदल को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन को मजबूत बनाने के लिए ब्लॉक से लेकर प्रत्येक बूथ तक सक्रिय, सशक्त और जनसरोकारों से जुड़े संगठन का निर्माण करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर मजबूत संगठन ही किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक शक्ति और सफलता का आधार होता है। इसलिए अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखने वाले नए साथियों को संगठन से जोड़कर पार्टी को जन-जन तक पहुंचाना होगा। कांग्रेस हमेशा सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित की राजनीति के लिए संघर्ष करती रही है तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन और अधिक मजबूत होगा।

छात्रों से संवाद की ओर बढ़ते कदम

संदीप शर्मा

देश के प्रधानमंत्री ने देश की अंदरूनी शान्ति के लिए या आगे किसी बड़े लक्ष्य को साधने के लिए ऐसी फॉरेन फंडेड, फॉरेन लेंग्वेज्ड, फॉरेन फीडेड, फॉरेन माइंडेड और निर्लज्ज शक्तियों के आगे समर्पण कर दिया है। स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए और समय की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उनका यह कदम बड़प्पन से परिपूर्ण कदम तो है किंतु, दीर्घकालिक दृष्टि से है तो यह गलत ही। इसके परिणामों के प्रति देश को अभी से सचेत होना होगा। छात्रशक्ति की बात रही तो सर संघचालक जी मोहन भागवत जी ने स्पष्ट परामर्श (स्वयंसेवक के लिए निर्देश) दिया है कि हमें बच्चों से संवाद बढ़ाना ही होगा। देश किशोरों, युवाओं, विद्यार्थियों से संवाद की यह प्रक्रिया अब बढ़ेगी भी और निश्चित ही सकारात्मक परिणाम भी देगी। नरेंद्र मोदी जी द्वारा कृषि कानून वापिस लेते समय मैंने एक आलेख में लिखा था जनमत के दबाव में देश के राजा द्वारा अपने निर्णय बदलना राजा के जीवंत, विवेक, मर्म व उत्तरदायित्व भाव का प्रमाण है। प्रधानमंत्री जी लोकभीरु (जनता से डरने वाले) हैं तो यह शुभ-लक्षण है। यह भी सही है कि धर्मेंद्र प्रधान जी का त्यागपत्र कराना ही था तो वक्त्र के समय ही करा लेना था। वह सही समय था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का यह समय ठीक नहीं है। आद. प्रधानमंत्री जी ने धर्मेंद्र जी प्रधान से त्यागपत्र लेकर किसी शेर की भांति एक कदम पीछे लिया है तो किसी दीर्घकालिक एजेंडे की रक्षा और पूर्ति के लिए ही किया होगा। निश्चित ही उन्होंने संघशक्ति की प्रेरणा से यह कदम राष्ट्रहित में ही उठाया होगा। इंटरनेट पर यहाँ-वहाँ बिखरे पड़े इस आंदोलन के सैकड़ों वीडियो देखिए, फिर सोचिए। फिर अपने आसपास के छात्रों को अवश्य देखिए। अपने नगर के सैकड़ों छोटे-बड़े सभी कालेज के विद्यार्थियों का बारीकी से चुपचाप परीक्षण और अध्ययन कीजिए। इसके बाद सोचिए और बताइये कि इस वीडियो में जो हैं, क्या वे विद्यार्थी हैं? और यदि हैं भी तो क्या ऐसे विद्यार्थियों के दबाव में देश की सत्ता को आना चाहिए? मोदी जी हों या कोई किसी अन्य दल के कोई और प्रधानमंत्री हों, उसके विषय में ऐसी भाषा बोलकर जनता को भड़काना क्या उचित है? विशेषतः इन कथित छात्राओं को देखकर बताएँ आप। ये भी कहता हूँ कि, हैं तो ये हमारी देशज संतान ही, किंतु हमारे बच्चों को किसने इतना भड़काया और बहकाया है? कौन है जो हमारी इस मासूम छात्रशक्ति की लज्जा-लिहाज पर डाका डाल गया है? इनके सारे संस्कार अपहत हो गए और हमें पता भी न चला। जॉर्ज सोरोस की सोच से बढ़ा ये आंदोलन है या अश्लीलता और देश विभाजन के दुष्कृत्य का नंगा नाच है? नरेंद्र मोदी जी का ये सरेंडर, आरएसएस और इसके प्रचारक मोदी के लिए कुछ भी चिंताजनक नहीं है। ये महाशय मोदी और ये संघ, अपना झोला उठाकर कहीं भी, कभी भी चल पड़ेंगे। सोचना तो हमें है कि हम और कोई और ऐसा प्रधानमंत्री और ऐसी संघशक्ति कहाँ से लायेंगे जो हमें बारह वर्षों तक तमाम दुर्लक्ष्यों जैसे अद्वितीय आर्थिक विकास, गगन-पाताल को भेदने वाला इन्फ्रास्ट्रक्चर, मंगल मिशन, चंद्रमा मिशन, राममंदिर, अनुच्छेद 370, कश्मीर में शांति, असम-बंगाल के रास्ते बांग्लादेशी घुसपैठियों पर रोक, विदेशों में हमारा बड़ा सा बार्गेनिंग पॉवर, पाकिस्तान में भीतर तक घुसकर एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर आदि को साधकर भी दंगामुक्त शासन दे पायेगी? संघ परिवार के अतिरिक्त कोई भी पार्टी इनमें से एक भी काम करती तो देश भर में दंगे होते। खून की नदियाँ बहती। ऐतिहासिक मार-काट होती। कदाचित (शायद) गृहयुद्ध भी हो जाता। शाहीन बाग से लेकर ये जंतर-मंतर तक, ये सब भारत में गृहयुद्ध भड़काने की तैयारी ही तो है। याद है न? इन्हीं लोगो के शब्द हैं - 'धारा 370 को छू कर देख लो, खून की नदियाँ बह जाएँगी' और ये पाकिस्तानी भाषा भी याद होगी आपको - 'पंद्रह मिनिट के लिए देश की फौज और पुलिस को रोक लेना हम इस देश में तख्ता पलट देंगे' और यह भी कि 'मंदिर..तारीख नहीं बताएँगे'। ये सब इस संघशक्ति ने किया भी और खून की नदियाँ तो छोड़िए साहब; इन्होंने देश में परिंदे को पर भी न मारने दिए हैं। संघशक्ति से मोदी ने स्वयं को परिश्रमपूर्वक सिद्ध किया है, इस देश की जनता के समक्ष। 75 की आयु में अट्ठारह घंटे काम कर रहा ये बिना भगवे का सन्यासी हमारी अंतर्राष्ट्रीय पूंजी है। इन्होंने इस देश से बाबर और औरंगजेब का नाम मिटाया है और अरब में जाकर मंदिरों के शिलान्यास से लेकर प्राणप्रतिष्ठा तक के दसियों आयोजन करवा दिए हैं। अरेबियन मुस्लिम योग-ध्यान के पीछे पागल हुए हैं तो इसी भारत सरकार की कलाकारी से ही हुए हैं। ये आंदोलन धर्मेंद्र प्रधान के विरोध में या फूलप्रूफ नीट परीक्षाओं के लिए नहीं था। यदि होता तो परीक्षाओं पर विश्व का सर्वाधिक सटीक और प्रभावी कानून आने के बाद ये आंदोलनकारी शांति से अलग हो जाते। ये आंदोलन उस संघ शक्ति के विरोध में है जो इस देश को कॉमन सिविल कोड की देने की तैयारी में लगी है, जो हमें नागरिकता रजिस्टर जैसा बड़ा कवच (सिस्टम) देनें की तैयारी कर रही है, जो हमें कभी न कभी हमारा मुकुटमणि पाक आकूपाइड कश्मीर भी वापिस दिलवाने वाली है। हमें यह भी सोचना चाहिए कि आखिर इन फॉरेन पॉवर सेंटर्स को नरेंद्र मोदी से क्या कष्ट है और क्यों है? एक 'शक्तिशाली भारत' के विरोध में खड़े है ये सब, और हमें लगता है कि ये प्रधानमंत्री का विरोध है। फिर कहता हूँ, ये सब वीडियो देखना, इस जैसे सैकड़ों वीडियो इंटरनेट पर यहाँ-वहाँ घूम रहे हैं उन्हें भी देखना। दिल्ली छात्र आंदोलन के एआई जनरेटेड फोटो वीडियो आदि भी देखना। जनता को भड़काने और भुजाएँ फड़क जाएँ ऐसे फेक/नकली वीडियो/फोटो किस लक्ष्य से बने हैं? कौन है जो ऐसी पिशाच बुद्धि से ये सब करा रहा है? सनद रहे मोदी तो बहाना है, इनका लक्ष्य समूचे देश को पटिए पर लाना है और देश में गृहयुद्ध फैलाना है। धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र कोई कीमत नहीं है। इसकी एक बड़ी कीमत हमने चुका दी है और संभवतः आगे इससे भी बड़ी कीमतें हमें चुकानी पड़ेगी। समूचे देश को सावधान हो जाने का समय आ गया है।

नीट सुसाइड मामले : और नहीं बस और नहीं !

मनोज कुमार अग्रवाल

नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी सुसाइड का यह प मामला सामने आया है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था। मेरे इस कदम के लिए उसके माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

फिर दुखद समाचार सामने आया है एक और नीट अभ्यर्थी ने असफल रहने पर सुसाइड का रास्ता अख्तियार किया है। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में 19 साल की मेडिकल छात्रा अंकिता सांगले ने रविवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अंकिता ने लिखा कि परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में थी और डॉक्टर बनने का उसका सपना अधूरा रह गया।

परिवार के मुताबिक घटना से पहले छात्रा अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। काफी देर तक कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर उसकी मां ने दरवाजा खोला, जहां वह मृत मिली।यह कोई इकलौता मामला नहीं है पिछले ढाई माह में करीब दो दर्जन छात्र छात्राओं ने नीट परीक्षा के मनोकल्पित दबाव और इस से पैदा हुए अवसाद के चलते मौत को गले लगा लिया। जबकि मीडिया रिपोर्ट्स की एक हालिया एनालिसिस (मई 2026) के अनुसार, पिछले 5 वर्षों (2021 से 2026 के बीच) में देश में नीट से जुड़े कम से कम 93 छात्रों की आत्महत्या के मामले दर्ज हुए हैं, जिसमें सबसे बड़ा केंद्र कोटा (कम से कम 40 मामले) रहा है।अपुष्ट आंकड़ों के अनुसार यह तादाद बहुत अधिक हो सकती है।सुसाइड के पीछे के मुख्य कारणविशेषज्ञों और पुलिस प्रशासन के अनुसार छात्रों द्वारा ऐसे कदम उठाने के पीछे ये मुख्य वजहें सामने आई हैं अत्यधिक शैक्षणिक तनाव :कोचिंग सेंटरों में होने वाले वीकली टेस्ट और नीट परीक्षा को पास करने का मानसिक बोझ।परिजनों की उम्मीदें :मध्यवर्गीय या गरीब परिवारों से आने वाले छात्रों पर माता-पिता की उम्मीदों और पढ़ाई पर होने वाले भारी खर्च का दबाव होता है। आपको बता दें छात्र नीट परीक्षा को लेकर भारी प्रतिस्पर्धा, पेपर लीक व परीक्षा रद्द होने की अनिश्चितता, और कम सीटें होने के कारण अत्यधिक मानसिक तनाव में आ जाते हैं इस का एक बड़ा कारण अत्यधिक प्रतिस्पर्धा कम सीट और परीक्षा की तैयारी से पैदा दबाव है। लाखों छात्रों के बीच सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीमित सीटें होना।परिवार और खुद की उम्मीदों पर खरा उतरने का भारी मानसिक दबाव।लंबे समय तक पढ़ाई के कारण नींद पूरी न होना और सेहत बिगड़ना इन सबके पार्श्व में माता पिता परिवार की महत्वाकांक्षा और बच्चे को डाक्टर बनाने का ही एक मात्र जीवन लक्ष्य थोपना सबसे घातक और बच्चे की मनस्थिति को प्रभावित करता है । परीक्षा का बार-बार रद्द होना और दोबारा परीक्षा होना छात्रों की मानसिक शांति को तोड़ देता है।एनटीए के परिणामों में गड़बड़ी के आरोप और अंकों में भारी अंतर आने की खबरें छात्रों को तोड़ रहीं हैं।

नीट एग्जाम में हुई गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद प्रदर्शन खत्म हो गया था। प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी सुसाइड का यह प मामला सामने आया है। नीट मुद्दे पर अब तक 23 स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।अंकिता ने सुसाइड नोट में लिखा कि री-एग्जाम में उसे 166 मार्क्स मिले, जबकि कटऑफ 177 था। मेरे इस कदम के लिए उसके माता-पिता और भाई को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

अंकिता ने भाई को लिखा कि मम्मी-पापा को संभालना। उन्होंने काफी त्याग किया, लेकिन मैं सपना पूरा नहीं कर सकी ।

गुजरात के सूरत में 18 जून को 17 साल के कहान पटेल ने अपनी जान ले ली थी। इनके परिवार का कहना है कि वे नीट परीक्षा से जुड़े तनाव और पेपर लीक से परेशान थे।कहान पटेल के पिता प्रशांत पटेल ने बताया कि 12 मई को कोचिंग क्लास के दौरान बेटे को नीट पेपर लीक की खबर मिली।इसके बाद वह तुरंत सूरत से अहमदाबाद पहुंचा। प्रशांत पटेल के मुताबिक, पेपर लीक की खबर के बाद उनका बेटा मानसिक तनाव में रहने लगा था।उसके व्यवहार में भी बदलाव आने लगा था, जिसके बाद यह दुखद घटना हुई।

पिछले करीब ढाई माह में दो दर्जन नीट अभ्यर्थियों ने आत्महत्या कर ली है। इन में से हरियाणा-1दिल्ली - 2 राजस्थान- 2 उत्तराखंड-1 उत्तर प्रदेश- 4 गुजरात- 1- महाराष्ट्र- 3-मध्य प्रदेश - 3 गोवा - 1 तेलंगाना -1 तमिलनाडु-4 ने जान दी है। आपको बता दें कि 14 मई-गोवा 17 साल के नीट स्टूडेंट ने आत्महत्या की। यह परीक्षा रद्द होने के बाद सुसाइड का पहला केस था।14 मई को ही उत्तर प्रदेश नयीमपुर खीरी में 21 साल के नीट छात्र ऋतिक मिश्रा ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली।

टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में लगातार बढ़ता जा रहा है बाघों का कुनबा

हर्षवर्धन पान्डे

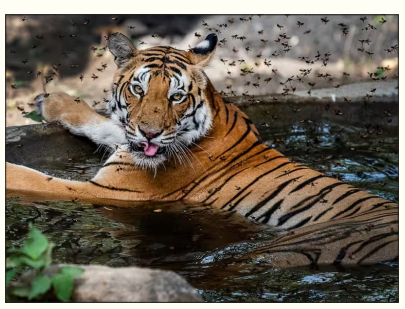

मध्यप्रदेश को भी प्रकृति ने न केवल मुक्त हस्त से संवारा है बल्कि नैसर्गिक सौंदर्य और हरियाली से आच्छादित किया है, वहीं प्रदेश सरकार ने भी वन्य प्राणी संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर इसे वन्य प्राणी समृद्ध प्रदेश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पिछले डेढ़ दशक के दौरान श्रेष्ठ और सतत वन्य प्राणी प्रबंधन के प्रयासों से चलते आज मध्यप्रदेश देश और दुनिया में अग्रणी प्रदेश बना है। मध्यप्रदेश को भारत का टाइगर स्टेट कहा जाता है और वन्य जीव संरक्षण की दिशा में देश के हृदयप्रदेश मध्यप्रदेश कि प्रतिबद्धताओं के चलते यह खिताब आज पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुका है।यह गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश के जंगलों में टाइगर की दहाड़ लगातार गूंज रही है। वर्ष 2022 में हुई बाघों की गणना के अनुसार प्रदेश में 785 बाघ थे, जो देश में सबसे अधिक हैं। अब वन्य अधिकारी और विशेषज्ञ यह अनुमान लगा रहे हैं कि यह संख्या एक हजार के पार पहुँच चुकी है जो बाघों के संरक्षण और संवर्धन कि दिशा में एक बड़ी सफलता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाघों की जातियों की घटती संख्या, उनके अस्तित्व और संरक्षण संबंधी चुनौतियों के प्रति जन-जागृति के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। विश्व बाघ दिवस 29 जुलाई को मनाए जाने का निर्णय वर्ष 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग बाघ सम्मेलन में किया गया था। इस सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले देशों ने वादा किया था कि बहुत जल्द वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश ने तेजी से काम किया और प्रबंधन में निरंतरता दिखाते हुए पूरे देश में वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्धन में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति करने में सफलता पाई है। मध्यप्रदेश में 2022 में हुई पिछली गणना के अनुसार 785 बाघ हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं।इसके बाद 563 बाघों के साथ कर्नाटक दूसरे और 560 बाघों के साथ उत्तराखंड तीसरे नंबर पर है। 2010 में मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या मात्र 257 थी। 2014 में यह 308, 2018 में 526 और 2022 में 785 हो गई। 2014 से 2022 के बीच लगभग 155 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। भारत में कुल बाघों की संख्या 2022 में 3,682 आँकी गई थी, जिसमें मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा योगदान रहा। अभी 2026 की नई गणना चल रही है। इस बार प्रदेश में पहली बार कुछ नए टाइगर रिजर्व भी शामिल किए गए हैं जिसके बाद से यहाँ पर बाघों की संख्या बढ़ने का सहज ही अनुमान लगाया जा रहा है। यह बढ़ोतरी संयोग नहीं, बल्कि वन्य जीव संरक्षण की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है। मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों से दो सौ से अधिक गाँवों का पुनर्वास किया गया। इससे बाघों को बिना मानव हस्तक्षेप के घूमने और शिकार करने का बड़ा क्षेत्र मिला। पुराने खेत घास के मैदान बन जाने से जंगलों में शिकार की उपलब्धता बढ़ी।पिछले वर्षों में वन विभाग ने सैकड़ों शिकारियों को भी पकड़ा। कैमरा ट्रैप, डीएनए तकनीक और आधुनिक निगरानी व्यवस्था सरीखी अत्याधुनिक तकनीकों ने बाघों की गणना और सुरक्षा दोनों को मजबूत करने का काम किया है। बाघ की दहाड़ अब प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बाहर भी सुनाई दे रही है। राजधानी भोपाल के शहरी इलाकों में भी बाघों की आवाजाही अब देखी जा सकती है। बाघों को मध्यप्रदेश की आबोहवा इस कदर रास आ रही है कि आने वाले दिनों में इनकी टेरिटरी बढ़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। वर्ष 1973 में बाघों को विशेष संरक्षण प्रदान करने के लिए देश में टाइगर रिजर्व की स्थापना की गई थी। प्रदेश का पहला टाइगर रिजर्व 1973 में कान्हा टाइगर बना। मध्यप्रदेश में 9 टाइगर रिजर्व हैं, जिसमें कान्हा किसली, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना बुंदेलखंड, सतपुड़ा नर्मदापुरम, संजय दुबरी सीधी, नौरादेही, माधव नेशनल पार्क और डॉ. विष्णु वाकणकर टाइगर रिजर्व (रातापानी) शामिल हैं। मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सबसे अधिक बाघ हैं। यह रिजर्व मध्यप्रदेश का सबसे प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एक ऐसी जगह है, जहां बाघों की भरमार है और आसानी से पर्यटक इनका दीदार कर सकते हैं।

नई पीढ़ी के इनोवेशन से भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र नई ऊंचाइयों पर पहुंचा: पीयूष गोयल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत नीतिगत माहौल के चलते भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अपनी मौजूदा विशेषज्ञता और नई पीढ़ी के इनोवेटर्स की ऊर्जा का लाभ उठा रहा है, जिससे इस क्षेत्र में भारत का वैश्विक नेतृत्व मजबूत हो रहा है। यह बयान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिया। स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक एवं सीईओ पवन कुमार चंदाना और सह-संस्थापक नागा भरत डाका से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें विक्रम-1 मिशन की ऐतिहासिक सफलता पर इन दोनों और उनकी युवा टीम पर गर्व है। विक्रम-1 भारत का पहला निजी क्षेत्र द्वारा

निर्मित और सफल लॉन्च हुआ ऑर्बिटल रॉकेट है और यह देश की अंतरिक्ष यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '10 जून 2026 को विक्रम-1 मिशन की सफलता के समर्थन में पोस्टकार्ड पर हस्ताक्षर करना मेरे लिए बेहद यादगार पल था, जो शुरूआत में सिर्फ प्रोत्साहन का एक छोटा-सा कदम था, लेकिन वह आज भारत की असाधारण यात्रा का प्रतीक बन गया है।' उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की भावी दिशा पर विचार-विमर्श हुआ।

इसमें स्पेस स्टार्टअप इकोसिस्टम को और मजबूत करने तथा ऐसा माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया, जहां देश के सबसे प्रतिभाशाली इंजीनियर भारत में ही नवाचार और निर्माण को प्राथमिकता दें। स्काईरूट के दोनों सह-संस्थापकों ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की। कंपनी ने कहा, 'भारत का डीप-टेक इकोसिस्टम दूरदर्शी सुधारों, विश्वस्तरीय डिजिटल अवसंरचना और नवाचार के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता के दम पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ईवी स्कूटर रिज्टा ने जून 2026 में दर्ज की रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई । जून 2026 में एथर एनर्जी के ईवी स्कूटर रिज्टा ने रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है। एथर ने इस महीने के दौरान रिज्टा की कुल 24,742 इकाइयाँ बेचीं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 97 प्रतिशत अधिक है, जब कंपनी ने 12,563 इकाइयाँ बेची थीं। वहीं, मई 2026 के मुकाबले भी इसकी बिक्री में लगभग 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है, जो इस मॉडल की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। आरामदायक डिजाइन, बेहतर उपयोगिता और लंबी रेंज के कारण रिज्टा परिवारों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिससे एथर की कुल बिक्री को सबसे बड़ा सहारा मिला है। बढ़ती ईंधन कीमतों और ईवी वाहनों की मांग में लगातार इजाफे का फायदा भी इस स्कूटर को मिल रहा है। एथर की लोकप्रिय 450 सीरीज ने भी अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी, जिसकी जून 2026 में 6,321 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई। यह सीरीज तेज प्रदर्शन और आधुनिक तकनीक पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए उपयुक्त है। एथर रिज्टा को विशेष रूप से पारिवारिक जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है; इसमें बड़ी और आरामदायक सीट, साथ ही 56 लीटर का विशाल भंडारण स्थान उपलब्ध है, जो इसे अपनी श्रेणी में अग्रणी बनाता है।

होंडा ने उठाया नए एडवेंचर मैक्सी स्कूटर एडीवी160 से पर्दा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई । भारत का पहला ई85 ईंधन पर चलने वाले एडीवी160 स्कूटर से होंडा ने पर्दा उठा दिया है। इस मॉडल को कंपनी ने ई85 ईंधन के अनुरूप तैयार किया है। कंपनी का दावा है कि यह स्कूटर 85 प्रतिशत एथेनॉल और 15 प्रतिशत पेट्रोल वाले ईंधन पर चल सकेगा। इस कदम के जरिए कंपनी ने वैकल्पिक ईंधन तकनीक को बढ़ावा देने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप वाहन विकसित करने की अपनी रणनीति को और मजबूत किया है। होंडा ने पुष्टि की है कि एडीवी160 को भारत में ही विकसित और निर्मित किया जाएगा, और यहीं से इसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी निर्यात किया जाएगा। इसकी बिक्री कंपनी के प्रीमियम रेडविंग और बिगविंग शोरूम के माध्यम से की जाएगी। एडीवी160 में 157 सीसी का एकल सिलेंडर, द्रव-शीतित इंजन दिया गया है, जो 16.3 बीएचपी की शक्ति और 14.9 न्यूटन मीटर का टॉर्क उत्पन्न करता है, जिसके साथ सीवीटी ट्रांसमिशन मिलता है।

नया स्मार्टफोन रेडमी 17 4जी जल्द होगा पेश

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई । चाइनीज कंपनी शाओमी का सब-ब्रांड रेडमी जल्द ही अपना नया स्मार्टफोन रेडमी 17 4जी पेश कर सकता है ।यह स्मार्टफोन बड़ी बैटरी, हाई रिफ्रेश रेट डिस्प्ले और 50 मेगापिक्सल कैमरे जैसे फीचर्स के साथ बाजार में दस्तक दे सकता है। हालांकि कंपनी ने अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। लीक जानकारी के अनुसार रेडमी 17 4जी में 6.9 इंच का एचडी+ फ्लैट डिस्प्ले मिलेगा, जो 120 हर्ट्ज तक के एडाप्टिव रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। स्क्रीन की सामान्य ब्राइटनेस 675 निट्स और हाई ब्राइटनेस मोड में 825 निट्स तक होने की संभावना है। डिस्प्ले को टीयूवी रीनलैंड लो ब्लू लाइट, फ्लिकर-फ्री और सर्केडियन फ्रेंडली सर्टिफिकेशन भी मिलने की बात कही जा रही है। स्मार्टफोन में मीडियाटेक का हीलियो जी91-अल्ट्रा प्रोसेसर दिए जाने की संभावना है।

भारतीय रेलवे ने नांदेड़ डिवीजन में 163 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन अपग्रेड परियोजना को दी मंजूरी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

भारतीय रेलवे ने रेलवे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और नेटवर्क क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ डिवीजन के परभणी-मुदखेड़ डबल लाइन सेक्शन में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन (अपग्रेडेशन) को मंजूरी दे दी है। रेल मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी। रेल मंत्रालय के अनुसार, 163 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना के तहत मौजूदा 125 केवी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम को अधिक उन्नत 225 केवी सिस्टम में बदला जाएगा। यह कार्य 164 ट्रैक किलोमीटर के दायरे में किया जाएगा।

इसके साथ ही बढ़ते विद्युत भार को संभालने के लिए बिजली आपूर्ति (पावर सप्लाई) से जुड़े बुनियादी ढांचे को भी आधुनिक बनाया जाएगा। परभणी-मुदखेड़ रेलखंड रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हाईली यूटिलाइज्ड नेटवर्क (एचयूएन) रूट-9 का हिस्सा है, जो अजमेर, इंदौर, खंडवा, अकोला, पूर्णा, मुदखेड़, सिकंदराबाद, महबूबनगर और धोन को जोड़ता है। यह मार्ग यात्री और मालगाड़ियों, दोनों के लिए बेहद अहम माना जाता है।

रेल मंत्रालय ने बताया कि नए ट्रैक्शन सिस्टम से ट्रेनों के संचालन के लिए बिजली आपूर्ति और अधिक मजबूत होगी, जिससे इस सेक्शन पर अधिक माल ढुलाई (फ्रेट) की क्षमता विकसित होगी और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज गति वाली ट्रेनों के संचालन को भी बेहतर समर्थन मिलेगा। यह परियोजना भारतीय रेलवे के 2029-30 तक 3,000 मिलियन टन माल ढुलाई के लक्ष्य को हासिल करने में भी मददगार साबित होगी।

मंत्रालय के अनुसार, यह परियोजना देश के व्यस्त रेल मार्गों पर विद्युत बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे की व्यापक योजना का हिस्सा है।

इस महीने की शुरूआत में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया था कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा विद्युतीकृत रेलवे नेटवर्क वाला देश बनकर उभरा है।

देश के ब्रॉड गेज रेल नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका है। इस मामले में भारत केवल स्विट्जरलैंड (100 प्रतिशत) से पीछे है, हालांकि स्विट्जरलैंड का रेल नेटवर्क भारत की तुलना में काफी छोटा है।

सेंसेक्स 70 अंक लुढ़का; निफ्टी 23,985 पर बंद

» मुंबई, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। घरेलू बाजार में यह गिरावट पिछले दिन की शानदार तेजी के बाद आई।

इस दौरान, सेंसेक्स 69.86 अंक यानी 0.09 प्रतिशत गिरकर 76,765.92 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 10.60 अंक यानी 0.04 प्रतिशत गिरकर 23,985.35 पर बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.08 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.22 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं, विभिन्न क्षेत्रों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, जिसमें निफ्टी आईटी 3.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद निफ्टी रियल्टी (2 प्रतिशत) और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (1.08 प्रतिशत) का स्थान रहा। निफ्टी ऑटो भी 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ..

भारत की औद्योगिक विकास दर जून में 7.3 प्रतिशत रही, इलेक्ट्रिसिटी और गैस आपूर्ति सेक्टर रहा आगे

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आईआईपी) जून में सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इस दौरान इलेक्ट्रिसिटी एवं गैस आपूर्ति सेक्टर में 10.6 प्रतिशत और मैन्युफैक्चरिंग में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई।

इसके अलावा, मुख्य क्षेत्रों में जून में खनन एवं उत्खनन क्षेत्र की वृद्धि दर एक प्रतिशत और जल आपूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र की वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रही है।।

मैन्युफैक्चरिंग के अंदर आने वाले 23 उद्योग समूहों में से 19 ने जून 2025 की तुलना में जून 2026 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की।

जून 2026 में सबसे अधिक योगदान देने वाले तीन उद्योग समूह में इलेक्ट्रिकल उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग ने 34 प्रतिशत; मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर की मैन्युफैक्चरिंग ने 17.5 प्रतिशत और खाद्य उत्पादों ने 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल

की है। 7.3 प्रतिशत की वृद्धि से आईआईपी जून 2026 में बढ़कर 123.1 हो गया है, जो कि जून 2025 में 114.7 पर था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 के लिए खनन एवं उत्खनन, मैन्युफैक्चरिंग, बिजली और गैस आपूर्ति, और जल आपूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आईआईपी क्रमशः 110.0, 123.3, 131.0 और 145.7 रहा। ह्यखाद्य उत्पादों के विनिर्माणह्ल उद्योग समूह में चाय, चावल (बासमती को छोड़कर) और सभी प्रकार के स्टार्च ने वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस का वित्त वर्ष 26 में घाटा दोगुने से अधिक बढ़कर 22,238 करोड़ रुपए हुआ

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया और उसकी बजट एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस को वित्त वर्ष 2025-26 में संयुक्त रूप से 22,238 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ, जो पिछले वित्त वर्ष के 10,859 करोड़ रुपए के घाटे से दोगुना से भी अधिक है। इस दौरान दोनों एयरलाइंस की संयुक्त आय में भी करीब 9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

एयरलाइंस की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 26 में दोनों कंपनियों की संयुक्त आय 71,870 करोड़ रुपए रही। इस दौरान एयर इंडिया ने वित्त वर्ष 26 में 51,452 करोड़ रुए का राजस्व दर्ज किया और उसका शुद्ध घाटा 15,368 करोड़ रुपए रहा। वहीं, एयर इंडिया एक्सप्रेस का राजस्व 19,088 करोड़ रुपए और शुद्ध घाटा 6,767 करोड़ रुपए रहा।

वर्तमान में एयर इंडिया में 73.82 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा संस, 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी सिंगापुर एयरलाइंस और 1.08 प्रतिशत हिस्सेदारी कर्मचारियों की है। कर्मचारियों की

यह हिस्सेदारी 2022 में एयरलाइन के निजीकरण के दौरान शुरू की गई शेयर लाभ योजना के तहत दी गई थी।

शेयरधारकों को संबोधित करते हुए एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि एयरलाइन के ट्रांसफॉर्मेशन को दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वस्तरीय वैश्विक एयरलाइन का निर्माण कुछ तिमाहियों में संभव नहीं है। उन्होंने अपने संदेश में लिखा, 'इतिहास की हर महान एयरलाइन दशकों में बनी है, कुछ तिमाहियों में नहीं।'

अमृतसर 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंच वाला दूसरा ह्यहब एंड स्पोकह्ल एयरपोर्ट बना

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।

सरकार ने मंगलवार को अमृतसर से हब एंड स्पोक अंतरराष्ट्रीय उड़ान परिचालन की शुरूआत की। इसके साथ ही वाराणसी के बाद अमृतसर इस नए ह्यहब एंड स्पोकह्ल फ्रेमवर्क से जुड़ने वाला देश का दूसरा हवाई अड्डा बन गया, जो अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की आवाजाही को अधिक सुविधाजनक बनाएगा।

अब तक अमृतसर से यात्रियों को केवल सात अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ान सुविधा उपलब्ध थी।

हब एंड स्पोक मॉडल लागू होने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट की वैश्विक कनेक्टिविटी का लाभ अब यात्रियों को अमृतसर से ही मिल सकेगा। नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, 'यात्री अब एक ही चेक-इन और एक ही बैगेज टैग के जरिए 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक यात्रा कर सकेंगे, जिससे पूरी यात्रा पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और निर्बाध हो जाएगी।'

वर्तमान में हर वर्ष करीब 1.5 लाख यात्री अंतरराष्ट्रीय उड़ान पकड़ने के लिए अमृतसर से दिल्ली जाते हैं, जबकि लगभग 1.5 लाख यात्री विदेशों से दिल्ली पहुंचकर अमृतसर आते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'इस एकीकृत व्यवस्था के तहत यात्रा काफी आसान हो जाएगी.

संक्षिप्त खबरें

मांस के अवशेष की थैली सोसायटी में ले गया कुत्ता, लोगों ने किया हंगामा

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 28 जुलाई । वसुंधरा सेक्टर-4 स्थित ईस्टर्न गेटवे सोसायटी में मांस के टुकड़े मिलने के बाद लोगों ने रविवार देर रात जमकर हंगामा किया। विवाद पर पुलिस पहुंची और लोगों को शांत कराया। वहीं, मांस के टुकड़े से भरी थैली पास में ही संचालित मीट की दुकान से पहुंचने की बात सामने आई है। पुलिस ने फिलहाल दुकान को बंद करा दिया गया है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि सोसायटी परिसर में मांस के टुकड़े मिलने और हंगामा होने की सूचना मिली थी। जब पुलिस पहुंची तो सोसायटी के लोग काफी संख्या में एकत्र थे। थैली में पंख और पंजे दिखाई दे रहे थे। इसके अलावा मांस के टुकड़े भी थे। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज भी मौके पर खंगाली गई तो पता चला कि एक कुत्ता सोसायटी के पास संचालित मीट की दुकान से मांस के अवशेष से भरी थैली लेकर सोसायटी के अंदर जा पहुंचा। गेट पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों को भी वह दिखाई नहीं दिया। एक सुपरवाइजर ने रात करीब 8:30 बजे देखा तो लोगों को पता चला। एसीपी ने बताया कि मीट की दुकान को कांवड़ तक बंद करा दिया गया है। फुटेज से पूरा मामला पुष्ट होने के बाद लोगों को शांत करा दिया गया था।

टीएचए में गहराया बिजली संकट, 17 घंटे रहा ब्लैकआउट

साहिबाबाद, यूटर्न/ 28 जुलाई। टीएचए में रविवार रात न्यू डिफेंस कॉलोनी के ट्रांसफार्मर में हुए फाल्ट से करीब 17 घंटे तक ब्लैक आउट रहा। इससे लोग पूरी रात और सोमवार दोपहर तक हलकान रहे। वहीं, दोपहर में हुई बारिश के बाद कई इलाकों में ट्रिपिंग और बिजली बाधित हुई। वहीं, इंद्रप्रस्थ और राजेंद्र नगर में पांच से छह घंटे तक बिजली गुल रही। न्यू डिफेंस कॉलोनी निवासी रविंद्र ने बताया कि रविवार रात आठ बजे ट्रांसफार्मर में फॉल्ट होने की वजह से सोमवार दोपहर तक बिजली नहीं रहने से लोगों को परेशानी हुई। सुबह पेयजल आपूर्ति भी बाधित रही, इससे लोग पानी भी नहीं भर सके और दफ्तर जाने वालों को भी देरी हुई। निवासी रचना ने बताया कि 17 घंटे की कटौती के दौरान इनवर्टर भी जवाब दे गए। उमस और गर्मी के कारण नौनिहालों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में 33 केवी लाइन में फॉल्ट आने से कॉलोनी में सोमवार सुबह पांच बजे से 11 बजे तक बिजली ट्रिपिंग होती रही। बार-बार कटौती होने पर भी अधिकारी इसका स्थायी समाधान नहीं कर रहे हैं।

मासूम बच्ची को बिना कपड़ों के पीटती और देती थी गालियां मां ही बन गई डर की वजह; पुलिस ने दिया सहारा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।**

पुलिस अपराधियों को पकड़ती है, लेकिन उस दिन हमें एक मां से उसकी बेटी को बचाना पड़ा..। यकीन मानिए, यह हमारे लिए भी आसान नहीं था। लेकिन क्या करते.. वो मां अपनी छह साल की मासूम बच्ची को बिना कपड़े के बाहर खड़ा कर देती थी। उसे मारा करती थी। हमने जैसे ही वीडियो देखा, हम बच्ची को रेस्क्यू करने पहुंच गए। ये बातें जीटीबी एंक्लेव थाना पुलिस टीम बता रही थी। उनके सामने छह साल की एक सहमी हुई बच्ची थी, जो अपनी मां से प्यार भी करती थी और उसी से डरती भी थी।

जीटीबी एंक्लेव थाना पुलिस को शुरूआत में पड़ोसियों से शिकायत मिली कि एक महिला देर रात गाली-गलौज कर इलाके का माहौल खराब करती है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत करा दिया लेकिन कुछ दिन बाद फिर शिकायत आई कि महिला अपनी छह वर्षीय

बेटी को भी बुरी तरह प्रताड़ित करती है। पड़ोसियों ने बताया कि बच्ची को कई बार पर्याप्त खाना नहीं दिया जाता, सजा के तौर पर बिना कपड़ों के बाहर खड़ा कर दिया जाता है और घर से अक्सर उसके रोने-चीखने की आवाजें आती हैं। एसएचओ बृजेश मिश्रा ने बताया, कि पुलिस दूसरी दफा वहां पहुंची और बच्ची से बातचीत करने की कोशिश की। वह बेहद डरी-सहमी हुई थी। पूछने पर पता चला कि वह स्कूल भी नहीं जाती। पुलिस ने स्कूल में दाखिले की बात की, लेकिन बच्ची मां को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हुई। उस समय पुलिस के पास कार्रवाई के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं थे। इसके बाद पुलिस ने जांच में पड़ोसियों को भी शामिल किया। वीडियो साक्ष्य जुटाने के लिए कहा गया। कुछ दिनों के बाद ही पड़ोसियों ने एक वीडियो दिया।

इलाज के बाद सामने आई दर्दभरी कहानी

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, कि इहबास में जब महिला को काउंसिलिंग के लिए लाया गया, वह काफी डरी हुई थी। उसे हम पर विश्वास नहीं था। काफी समझाने पर जब उसने देखा कि यहां काउंसिलिंग के लिए उसके जैसी कई महिलाएं हैं, तो वह शांत हो गई। काउंसिलिंग के बाद महिला जोर-जोर से रोने लगी। इस दौरान महिला ने बताया कि उसका पति उसके साथ नहीं है। मायके और ससुराल, दोनों जगह से कोई सहयोग नहीं मिलता। लंबे समय से अकेलेपन और अवसाद से जूझ रही महिला का गुस्सा उसी की बेटी पर निकल रहा था।

मां से बच्चे को अलग करना किसी भी पुलिसकर्मी के लिए आसान फैसला नहीं होता। लेकिन जब बच्चे की सुरक्षा खतरे में हो, तब उसकी जान और भविष्य को बचाना हमारी पहली जिम्मेदारी बन जाती है। हमारा उद्देश्य सिर्फ बच्ची को बचाना नहीं, बल्कि मां का इलाज कराकर इस परिवार को फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटाना भी है। -आरपी मीणा, शाहदरा पुलिस उपायुक्त

जंतर-मंतर पर खाद्य सामग्री देने वाले जुनैद ने वीडियो जारी कर कहा मैं ठीक हूं

गाजियाबाद, यूटर्न/ 28 जुलाई । जंतर-मंतर पर चल रहे धरने में 35 दिन रहकर आंदोलनकारियों को खाद्य सामग्री का वितरण करने वाले मसूरी के नाहल गांव निवासी जुनैद का वीडियो सोमवार को वायरल हुआ। उसमें उसने खुद को सुरक्षित बताते हुए लोगों से परेशान न होने की अपील की। उसने यह भी दावा किया कि उसको किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। बार-बार उनके पास फोन और

मैसेज आ रहे थे, जिसमें लोग उनके व परिवार के बारे में पूछ रहे थे। जुनैद ने धरने में शामिल रहने के पीछे की मंशा की वजह के बारे में बताया कि उससे सीजेपी के किसी नेता ने कोई संपर्क नहीं किया। जब कोई जानवर भी किसी के पास रहता है तो उससे लगाव हो जाता है, इसलिए उन्होंने मानवता का फर्ज निभाया। एलएलबी के छात्र जुनैद का खाद्य सामग्री बांटने का वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस के सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने सराहना की थी। जुनैद ने आरोप लगाया कि मसूरी पुलिस उनके घर धमक गई। 23 जुलाई को उनके पिता को दो बार थाने ले जाया गया। वहां उनसे पूछताछ हुई। उनके मोबाइल, आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खातों की जांच की गई। इतना ही नहीं, अगले दिन 24 जुलाई को उनकी बहन की मेरठ स्थित ससुराल में भी पुलिस ने पूछताछ की। परिवार और रिश्तेदारों के बैंक खातों को भी खंगाला गया। जुनैद का कहना है कि उन्हें केवल इसलिए परेशान किया गया, क्योंकि उनका नाम जुनैद है। जबकि उन्होंने खाद्य सामग्री का वितरण कर इंसानियत का फर्ज निभाया था। पुलिस को जांच करनी है तो वह अपना काम करे, उनको इसमें कोई दिक्कत भी नहीं है। हालांकि सोमवार को जुनैद के सुर पूरी तरह बदल गए। उन्होंने अपना मोबाइल बंद कर लिया। मीडियाकर्मी उनको तलाशते रहे, लेकिन उन्होंने किसी से कोई बात नहीं की।

16वीं मंजिल से गिरकर युवती की मौत के मामले में आया नया मोड़

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 28 जुलाई । अहिंसाखंड स्थित एक सोसायटी में सात अप्रैल को 15वीं मंजिल से गिरकर हुई युवती की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने करीब 500 नंबरों की जांच के बाद एक युवक का नंबर हाथ लगा है। इस पर युवती अकसर बात करती थी। अब पुलिस को अंदेशा है कि कहीं युवक से बातचीत करने पर परिजनों की डांट फटकार के बाद तो यह कदम नहीं उठाया है। जबकि दूसरा पहलू यह भी है कि युवक से तो कोई विवाद नहीं हुआ था। पुलिस सभी पहलू पर जांच कर रही है। सात अप्रैल को युवती की सी ब्लॉक स्थित एक सोसायटी की 15वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। आठ अप्रैल को किसान संगठन ने आरोप लगाया था कि युवती के परिजनों का 16वीं मंजिल पर रहने वाले युवक से झगड़ा हुआ था। पुलिस की पूछताछ में किसी भी तरह के झगड़े या कहासुनी की पुष्टि नहीं हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी ऊंचाई से गिरने पर लगने वाली चोटों के अलावा किसी अन्य तरह की चोट लगना सामने नहीं आया था। वहीं, युवती के पिता व बहन ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया था। मामले को लेकर जमकर हंगामा भी हुआ। आठ अप्रैल को परिवार व रिश्तेदारों ने सीआईएसएफ मार्ग जाम भी किया था। पुलिस ने युवती की बहन और पिता के मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे थे। फॉरेंसिक रिपोर्ट में पुलिस को एक युवक का नंबर मिला। जांच में प्रेम-प्रसंग की बात भी सामने आई है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि जांच व सर्विलांस टीम फॉरेंसिक रिपोर्ट का अध्ययन कर रही है। जिस नंबर पर संदेह है उसकी जांच टीम करके जल्द ही मामले का खुलासा करेगी।

शादीशुदा शिक्षिका का आरोप: धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा दुष्कर्म का आरोपी

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 28 जुलाई ।**

मेरठ में दर्ज दुष्कर्म के मामले की पीड़िता शादीशुदा शिक्षिका ने आरोप लगाया है कि आरोपी युवक अब उन पर धर्म परिवर्तन और समझौते का दबाव बना रहा है। विरोध करने पर वीडियो और फोटो वायरल करने, जान से मारने और लगातार पीछा करने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने कॉल रिकॉर्डिंग, मैसेज और अन्य साक्ष्य पुलिस को सौंपे हैं।

पुलिस के अनुसार, शहर के एक निजी स्कूल में पढ़ाने वाली शिक्षिका ने बताया कि मेरठ निवासी आसिफ ने पहले उन्हें प्रेमजाल में फंसाकर नजदीकियां बढ़ाईं। बाद में धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2024 में उसके खिलाफ मेरठ के एक थाने में दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला फिलहाल अदालत में लंबित है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी लंबे समय से समझौते का दबाव बना रहा है। हाल ही में उसने फिर मैसेज कर दोस्ती का प्रस्ताव दिया। शिक्षिका ने उसे बताया कि अब वह शादीशुदा हैं, इसलिए उन्हें परेशान न करे। इसके बावजूद आरोपी ने कथित तौर पर वीडियो और फोटो वायरल करने व धर्म परिवर्तन नहीं करने पर जिंदगी बर्बाद करने की धमकी दी।

शिक्षिका का आरोप है कि आरोपी का भाई, पत्नी व अन्य रिश्तेदार भी उन्हें मैसेज कर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहे हैं और अश्लील बातें कहकर परेशान कर रहे हैं। उनका कहना है कि तीन दिन पहले आरोपी किसी बच्चे का अभिभावक बनकर उनके स्कूल में घुस गया। इसके बाद स्कूल आते-जाते उनका पीछा किया और कार में जबरन बैठाने की कोशिश की। आरोपी उन्हें और उनके पति को जान से मारने की धमकी भी दे रहा है, जिससे पूरा परिवार भयभीत है।

एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। उसकी लोकेशन ट्रेस कराई जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इस संबंध में मेरठ पुलिस से भी समन्वय किया गया है।

आंदोलन के बाद जंतर-मंतर बना सेल्फी पॉइंट, 36 दिन के छात्र आंदोलन के बाद गतिविधियां हुईं सामान्य

» **दिल्ली, यूटर्न/ 28 जुलाई ।**

छात्र आंदोलन के समाप्त होने के बाद जंतर-मंतर का माहौल धीरे-धीरे सामान्य होता नजर आ रहा है। हालांकि, आंदोलन खत्म होने के बावजूद यहां आने वालों की संख्या कम नहीं हुई है। सोमवार को दिल्ली और आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में छात्र और युवा जंतर-मंतर सिर्फ यह देखने पहुंचे कि जिस स्थान की तस्वीरें और वीडियो उन्होंने पिछले एक महीने से अधिक समय तक सोशल मीडिया पर देखी थीं, वह अब कैसा दिखता है। कई युवाओं ने बैरिकेड्स के बाहर खड़े होकर सेल्फी ली और आंदोलन स्थल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया।

जयपुर, लखनऊ, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से आए छात्रों का कहना था कि उन्होंने आंदोलन को केवल मोबाइल स्क्रीन पर देखा था। सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो ने उनके मन में इस जगह को करीब से देखने की उत्सुकता पैदा कर दी थी। उनका कहना था कि कुछ दिन पहले तक जहां हजारों छात्रों की भीड़, नारेबाजी और पुलिस की मौजूदगी दिखाई देती थी, वहीं अब उसी

सड़क पर सन्नाटा और सामान्य गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। उनके अनुसार, यह बदलाव अपने आप में एक अलग अनुभव है।

धरना स्थल से प्रदर्शनकारी भले ही लौट गए हों, लेकिन आंदोलन के निशान अभी भी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। सड़क किनारे कई स्थानों पर पुराने पोस्टर, प्लास्टिक की कुर्सियां, बर्तन और अन्य सामान अब भी पड़े दिखाई दिए। दिल्ली पुलिस की ओर से बैरिकेड्स की मरम्मत और रंगाई का काम जारी है, जबकि डिवाइडरों को भी दोबारा व्यवस्थित किया जा रहा है। पूरे इलाके में सामान्य स्थिति बहाल करने की प्रक्रिया जारी है।

सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह नहीं हटाई गई है। रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान अब भी इलाके में तैनात हैं और कई स्थानों पर बैरिकेड्स लगे हुए हैं। पुलिस की निगरानी पहले की तुलना में कम जरूर हुई है, लेकिन सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरकरार है। इसी बीच, जंतर-मंतर पर एक आंदोलन समाप्त हुआ तो दूसरे प्रदर्शनों ने उसकी जगह ले ली। हरियाणा से आईं आंदोलन समर्थक प्रीति लांबा ने कहा कि उन्होंने छात्रों का समर्थन इसलिए किया क्योंकि यह युवाओं के भविष्य से जुड़ा मुद्दा था। वहीं, जयपुर के छात्र विशाल ने बताया कि सोशल मीडिया पर आंदोलन की लगातार तस्वीरें देखने के बाद उन्होंने यहां आने का फैसला किया। जयपुर के विशाल, लखनऊ के मनोज कुमार समेत कई छात्रों ने बताया कि उन्होंने आंदोलन केवल सोशल मीडिया पर देखा था।

सपनों के किरदार निभा रही हूं: अदा शर्मा

फिल्म द केरल स्टोरी की अपार लोकप्रियता ने अभिनेत्री अदा शर्मा के लिए फिल्म इंडस्ट्री में नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि जब कोई फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग कलाकारों पर भरोसा करते हैं और उन्हें बड़े तथा चुनौतीपूर्ण काम सौंपने को तैयार रहते हैं। आजकल इंडस्ट्री में मैं अपने सपनों के किरदार निभा रही हूं। उनकी फिल्म द केरल स्टोरी ने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी और उन्हें एक बेहतरीन कलाकार के रूप में स्थापित किया। इस सफलता के बाद से उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिल रहे हैं, जिनकी वह हमेशा से ख्वाहिश रखती थीं। फिल्म द केरल स्टोरी में अदा शर्मा ने शालिनी उन्नीकृष्णन नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा का किरदार निभाया था, जिसने दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। यह फिल्म सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित की गई थी। फिल्म की कहानी जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आतंकी संगठन आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी। इसने शालिनी के जीवन के ऐसे सफर को दशार्या, जिसमें एक मासूम लड़की आतंकवाद का शिकार बन जाती है।

चोट से उबरने के बाद फिर जिम में वापस लौटीं

रकुल प्रीत

इंस्टाग्राम पर लिखा नोट

एक्ट्रेस रकुल प्रीत एक बार फिर से जिम में वापस आ गई हैं, और खुद को एक नए रूप में ढाल रही हैं। एक्ट्रेस ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपने जिम सेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं। चोट से उबरने के बाद एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने जिम में प्रवेश किया और बताया कि इस चोट ने उन्हें सिखाया कि ठीक होने में समय लगता है और इसमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।

उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने चोट के बाद की स्थिति पर विचार व्यक्त किया और बताया कि वह एक नई शुरूआत की ओर देख रही हैं। उन्होंने लिखा, 'हर सफर में एक ऐसा अध्याय होता है जिसके लिए कोई प्लान नहीं करता है। मेरे साथ ऐसा ही एक अध्याय हुआ, एक चोट के रूप में। एक पल में हर दिन मजबूत होने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और अगले ही पल मुझे पूरी तरह से रुकना पड़ा। सिर्फ दर्द ही मुश्किल नहीं था, बल्कि उस खामोशी से भी जूझना पड़ा जो मेरे जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुकी चीज से दूर होने पर आई थी।' एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'जिम सिर्फ एक ऐसी जगह नहीं थी, जहां मैंने खुद को ट्रेंड किया, बल्कि यह वह जगह थी, जहां मैंने अनुशासन सीखा, अपने दिमाग को शांत किया और हर दिन खुद को याद दिलाया कि विकास निरंतरता से ही होता है। सबसे मुश्किल बात मेरी प्रगति का रुकना नहीं था। सबसे मुश्किल यह स्वीकार करना था कि ठीक होने में जल्दबाजी नहीं की जा सकती। हर दिन में वापस जाना चाहती थी, लेकिन मेरा शरीर मुझे याद दिलाता रहा कि ठीक होने की अपनी एक समयसीमा होती है। निराशा के पल भी आए, संदेह के पल भी आए और ऐसे पल भी आए जब मैंने सोचा कि मैं कितना कुछ खो दूंगी, लेकिन धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि कभी-कभी जीवन आपको रोकना नहीं चाहता। कभी-कभी यह आपको एक अलग नजरिए के साथ वापस आने के लिए तैयार कर रहा होता है।' अभिनेत्री ने बताया कि हेल्थ रिकवरी ने उन्हें ऐसे सबक सिखाए जो कोई भी व्यायाम कभी नहीं सिखा सकता था। इसने उन्हें परिणाम पाने के लिए धैर्य रखना सिखाया। उन्होंने बताया, 'इसने मुझे उन पलों के लिए कृतज्ञता का भाव सिखाया, जिन्हें मैं पहले हल्के में लेती थी। इसने मुझे याद दिलाया कि ताकत हमेशा दिखावटी नहीं होती। कभी-कभी ताकत तब होती है जब मन और ज्यादा मेहनत करने को कहता है और आप आराम करने का चुनाव करते हैं। कभी-कभी ताकत तब होती है जब आप खुद पर भरोसा रखते हैं, भले ही आपको तुरंत कोई प्रगति नजर न आए। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैंने खोई हुई चीजों पर ध्यान देना बंद कर दिया और जो कुछ मेरे पास बचा था, उसकी सराहना करने लगी। मेरा लक्ष्य फिर से स्वस्थ होना, जोकि हो गया। हर छोटा सुधार एक जीत बन गया।' उन्होंने आगे कहा, 'हर छोटा-सा कदम मुझे याद दिलाता रहा कि प्रगति कभी भी पूरी तरह खत्म नहीं होती। जीवन के अलग-अलग पड़ावों में इसका रूप बदल जाता है। आज जिम में वापस आना एक लंबी यात्रा के बाद घर लौटने जैसा लगता है। सब कुछ जाना-पहचाना सा लगता है, फिर भी मैं जानती हूं कि मैं वो इंसान नहीं हूं, जो डेढ़ साल पहले जिम से निकली थी।

फोटो स्टोरी

शंघाई में विश्व स्नूकर मास्टर्स में इंग्लैंड के रोनी ओ सुलियन पहले दौर के मैच में खेलते हुए।

यश दयाल अब छत्तीसगढ़ से खेलेंगे

मुम्बई, यूटर्न/ 28 जुलाई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल अब आने वाले घरेलू सत्र से छत्तीसगढ़ की ओर से खेलेंगे। यश दयाल अभी तक अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते आये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यश को अभी तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी नहीं मिला है पर वह कर्नाटक के आलूर में लगे छत्तीसगढ़ के प्री-सीजन कैंप में शामिल हो गये हैं। यश विवादों में भी रहे हैं। यौन उत्पीड़न मामले में फंसे होने के करण वह आईपीएल 2025 के बाद से ही किसी भी तरह से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में नहीं खेल पाये हैं। इस मामले के बावजूद उनकी आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने उन्हें अगले सीजन के लिए बरकरार रखा था पर वह कानूनी मामलों में फंसे होने के कारण टीम से नहीं जुड़ पाए और पूरे सत्र से बाहर रहे। यश दयाल के उत्तर प्रदेश की घरेलू टीम छोड़ने के पीछे का एक प्रमुख कारण यूपी टी20 लीग में उन्हें जगह नहीं मिलना रहा है। दयाल को अगस्त से शुरू होने वाली आगामी यूपी टी20 लीग के लिए गोरखपुर लायंस ने रिटेन किया था और उन्होंने ऑफ-सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी के रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण भी शुरू कर दिया था पर शुक्रवार को नीलामी के बाद फ्रेंचाइजी द्वारा घोषित 18 सदस्यीय टीम में दयाल का नाम शामिल नहीं था.

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सौम्य सरकार को शामिल किया

पांच साल बाद टेस्ट खेलते दिखेंगे

ढ़ाका, यूटर्न/ 28 जुलाई । बांग्लादेश टीम में अनुभवी ऑलराउंडर सौम्य सरकार की पांच साल बाद टीम में वापसी हो रही। सौम्य को अगले माह होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बांग्लादेश टेस्ट टीम में शामिल किया गया है दो प्रमुख खिलाड़ी नाहिद राणा और शोरीफुल इस्लाम के चोटिल होकर सीरीज से बाहर होने के कारण टीम प्रबंधन ने पांच साल बाद सौम्य को वापस बुलाया है सौम्य ने अंति बार साल 2021 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मीरपुर टेस्ट में बांग्लादेश की ओर से खेला था। उनकी यह वापसी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव है, खासकर चोटों से जूझ रही टीम के लिए।

सौम्य की वापसी का मुख्य कारण उनका ऑस्ट्रेलिया में खेलने का लंबा अनुभव है। मौजूदा बांग्लादेशी टीम में शामिल खिलाड़ियों में सौम्य के पास ही ऑस्ट्रेलिया की धरती पर सबसे ज्यादा, कुल 8 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अनुभव है। ऑस्ट्रेलिया की चुनौतीपूर्ण पिचों और परिस्थितियों में उनका यह अनुभव टीम के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए चयनकताओं ने उन्हें इस महत्वपूर्ण दौरे के लिए टीम में शामिल किया है, जहां उनका प्रदर्शन टीम की रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक ऑलराउंडर के रूप में, वह टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में गहराई प्रदान कर सकते हैं।

सौम्य के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अब तक 16 टेस्ट मैचों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया है। इन मैचों में उन्होंने 57.62 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 831 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ उन्होंने गेंदबाजी में भी योगदान दिया है और चार विकेट अपने नाम किए हैं। पांच साल के लंबे अंतराल के बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे सौम्य सरकार पर यह दबाव होगा कि वह अपने अनुभव और प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह को मजबूत करें और ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी उपयोगिता साबित करें। यह उनके करियर के लिए एक बड़ा अवसर है। बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह टेस्ट सीरीज दो मैचों की होगी। पहला टेस्ट मुकाबला 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि दूसरा टेस्ट 22 अगस्त से खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है: नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), सौम्या सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन तमीम, मोमिनुल हक शोराब, मुशफिकुर रहीम, अमित हसन, जेकर अली अनिक, ताइजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादोत हुसैन चौधरी, मुसफिकर हसन। यह टीम चोटिल खिलाड़ियों की कमी को पूरा करने और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मजबूत प्रदर्शन करने का प्रयास करेगी।

पीओके में पाक सेना ने की अंधाधुंध फायरिंग 17 प्रदर्शकारियों की मौत

कश्मीरियों की लाशों से पट गया रावलकोट

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 28 जुलाई

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रावलकोट में सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद स्थिति अत्यंत संवेदनशील और तनावपूर्ण हो गई है। स्थानीय नागरिकों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने निहत्थे लोगों पर सीधे गोलियां चला दीं, जिससे पूरे इलाके में भगदड़ और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) का दावा है कि केवल रावलकोट शहर में ही कम से कम नौ लोगों की जान चली गई है, जबकि कुछ स्थानीय स्रोतों के अनुसार यह संख्या 17 तक पहुंच चुकी है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश की लहर दौड़ गई है और हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरकर पाकिस्तानी प्रशासन और सेना के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।

भड़की हिंसा को देखते हुए पूरे क्षेत्र में भारी अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है और इंटरनेट सेवाओं को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। अवामी एक्शन कमेटी ने मारे गए लोगों की एक सूची सार्वजनिक की है, जिससे इलाके में तनाव और अधिक गहरा गया है। पीओके में पिछले दो महीनों से जारी इस जनआंदोलन को कुचलने के लिए पाकिस्तानी हुकूमत और सेना लगातार हिंसक हथकंडे अपना रही है। आंकड़ों के मुताबिक, इन दो महीनों के दौरान जारी विरोध प्रदर्शनों में अब तक लगभग 91 स्थानीय नागरिकों की जान जा चुकी है। यह उग्र प्रदर्शन जून महीने की शुरूआत से ही जारी हैं, जिनकी शुरूआत स्थानीय चुनावों के ठीक पहले हुई थी। पीओके के लोग अपने बुनियादी अधिकारों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में विधानसभा में 12 आरक्षित सीटों को समाप्त करना, स्थानीय निवासियों को अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करना, गिरफ्तार किए गए नेताओं और कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा करना तथा बिजली, पानी और बेहतर शासन व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है।

पाकिस्तानी अधिकारियों की इस कड़ी और हिंसक कार्रवाई ने PoK में वर्षों से पनप रहे जन-असंतोष को और अधिक हवा दे दी है। आधिकारिक स्तर पर मौतों और घायलों की संख्या को लेकर भले ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट न की जा रही हो, लेकिन सड़कों पर उतरी भारी भीड़ यह दर्शा रही है कि जनता अब अपने अधिकारों से पीछे हटने को तैयार नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

चीन पर लगाम कसने जा रहा अमेरिका, खर्च करेगा 17.5 करोड़ डॉलर

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 28 जुलाई। दुनियाभर में चीन के बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक प्रभुत्व को सीमित करने के लिए अमेरिकी प्रशासन एक बार फिर बड़े पैमाने पर वित्तीय निवेश की तैयारी कर रहा है। ट्रंप प्रशासन वैश्विक स्तर पर चीनी प्रभाव का मुकाबला करने वाली परियोजनाओं पर सैकड़ों मिलियन डॉलर खर्च करने की योजना पर तेजी से काम कर रहा है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष बजट और कर्मचारियों में कटौती के चलते इनमें से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को रोक दिया गया था, जिन्हें अब फिर से रफ्तार दी जा रही है। अमेरिकी प्रशासन ने हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस को सूचित किया है कि वह कैरेबियाई और मध्य अमेरिकी देशों में जर्जर हो चुकी समुद्र के भीतर बिछी दूरसंचार (अंडरसीटेलीकम्युनिकेशन) केबलों को बदलने के लिए 17.58 करोड़ (175.8 मिलियन) अमेरिकी डॉलर खर्च करेगा। वाशिंगटन का मानना है कि यदि इस डिजिटल बुनियादी ढांचे को समय रहते उन्नत नहीं किया गया, तो चीन इस क्षेत्र में अपने तकनीकी और सामरिक पैर पसार सकता है।

ट्रंप के परिवार को जान का खतरा, रेकी कर रहा ईरान

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 28 जुलाई।

ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई के जनाजे के बाद अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक और सुरक्षा तनाव चरम पर पहुंच गया है। तेहरान में आयोजित अंतिम संस्कार के दौरान न केवल अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिए गए, बल्कि उनसे बदला लेने के खुले नारे भी लगाए गए। अब इस विवाद ने एक नया और खतरनाक मोड़ ले लिया है, जहां ट्रंप परिवार को निशाना बनाकर धमकियां दी जा रही हैं और सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री साझा की जा रही है। वहीं दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि ईरान की ओर से उन पर या उनके परिवार पर किसी भी प्रकार का जानलेवा हमला करने का प्रयास किया गया, तो ईरान को इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा और उसे पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा।

अफगानिस्तान में ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई तेज

पुलिस ने अवैध ड्रग्स के साथ आठ संदिग्धों को हिरासत में लिया

» काबुल, यूटर्न/ 28 जुलाई।

अफगानिस्तान में इन दिनों ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान के पक्तिका और लोगर प्रांतों में अलग-अलग काउंटर-नारकोटिक्स ऑपरेशन के दौरान अफगान पुलिस ने 25 किलोग्राम अफीम जब्त की और आठ संदिग्ध ड्रग तस्करों और स्मगलरों को हिरासत में लिया। प्रांतीय पुलिस ऑफिस ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने कई ऑपरेशन के दौरान 25 किलोग्राम अफीम बरामद करने के बाद पक्तिका प्रांत में छह संदिग्ध ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, पड़ोसी लोगार प्रांत में एक अलग ऑपरेशन में, सुरक्षा बलों ने दो संदिग्ध तस्करों को हिरासत में लिया और बड़ी मात्रा में हशीश और नशीली गोलियां जब्त कीं।

अफगान सुरक्षा बलों ने देश भर में गैर-कानूनी ड्रग्स के उत्पादन, तस्करी और स्मगलिंग को रोकने की कोशिशों के तहत देश भर में काउंटर-नारकोटिक्स ऑपरेशन जारी रखे हैं।

अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय ने 26 जुलाई को कहा कि अफगान काउंटर-नारकोटिक्स पुलिस ने उत्तरी फरयाब प्रांत में एक खुफिया ऑपरेशन के दौरान 42 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया है।

मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, ये ड्रग्स, जो पश्चिमी हेरात प्रांत से आए थे, एक गाड़ी के अंदर छिपाकर रखे हुए मिले और जब उन्हें रोका गया तो उन्हें बल्ख प्रांत की ओर ले जाया जा रहा था। जब्ती के सिलसिले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है और अभी उसकी जांच चल रही है।

वेनेजुएला भूकंपः धरती 2 फीट सरकी, निसार ने दिखाए सबूत

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 28 जुलाई

जून में वेनेजुएला में आए दो भीषण भूकंपों ने, जिन्होंने हजारों जानें लीं और इमारतों को तबाह किया, धरती की सतह को भी स्थायी रूप से बदल दिया है। नासा और इसरो के संयुक्त निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन ने खुलासा किया है कि इन शक्तिशाली झटकों के बाद कुछ इलाकों में जमीन करीब 60 सेंटीमीटर (करीब 2 फीट) तक अपनी जगह से खिसक गई। यह पहली बार है जब निसार ने किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा में अपने अर्जेंट रिस्पॉन्स ऑब्जर्वेशन सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए तत्काल विस्तृत रडार डेटा जुटाया। उत्तरी वेनेजुएला में 24 जून को पहले 7.2 और फिर महज 39 सेकंड बाद 7.5 तीव्रता के दो झटकों ने भयानक तबाही मचाई थी..

अमेरिका में वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाली 4 भारतीय कंपनियां ब्लैकलिस्ट

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 28 जुलाई। भारतीय आईटी पेशेवरों और अमेरिका में कार्यरत विदेशी कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिकी श्रम विभाग ने इमिग्रेशन नियमों का गंभीर और जानबूझकर उल्लंघन करने के आरोप में चार कंपनियों को विलफुल वायोलेटर (स्वेच्छा से नियमों का उल्लंघन करने वाला) घोषित कर दिया है। इसके साथ ही इन कंपनियों को एच-1बी वीजा स्पॉन्सर करने से पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। अमरीकी सरकार द्वारा जारी नई सूची के अनुसार, गौड़ाटेक को मई 2025 से मई 2027 तक, रेनोटेक ग्रुप को अगस्त 2025 से अगस्त 2027 तक, सीलोज को मार्च 2026 से मार्च 2028 तक और शेरवुड एकेडमी को मई 2026 से मई 2028 तक के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया है। प्रतिबंध की इस निश्चित अवधि के दौरान ये चारों कंपनियां किसी भी नए विदेशी कर्मचारी के लिए एच-1बी वीजा की अर्जी दाखिल नहीं कर सकेंगी। अमेरिका में विलफुल वायोलेटर का टैग किसी सामान्य या कागजी भूल पर नहीं दिया जाता। यह सख्त कार्रवाई उन नियोक्ताओं पर की जाती है जो एच-1बी वीजा नियमों का जानबूझकर उल्लंघन करते हैं या लेबर कंडीशन एप्लीकेशन दाखिल करते समय महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाते या गलत जानकारी देते हैं। अमरीकी आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी पाए जाने पर ही ऐसी कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाती है। नियत समय के बाद प्रतिबंध हटने पर भी इन कंपनियों की राह आसान नहीं होगी।

फोटो स्टोरी

इंडोनेशिया के जावा में भीषण वाहन हादसे के बाद इलाके में राहत व बचाव का काम करते हुए आपदा राहत दल के सदस्य। इस हादसे में कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं।

भारत-चीन संबंधों को मजबूत करने बीजिंग पहुंचे मिसरी

बीजिंग, यूटर्न/ 28 जुलाई। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को चीन की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान बीजिंग में चीन की उप विदेश मंत्री हुआ चुनयिंग और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापक द्विपक्षीय संबंधों और सामरिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर गहन विचार-विमर्श हुआ। चीन में भारत के राजदूत रह चुके विक्रम मिसरी की इस यात्रा को भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, विदेश सचिव मिसरी और उप विदेश मंत्री हुआ चुनयिंग ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण दायरे की समीक्षा की। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के उस दृष्टिकोण को लागू करना है, जिसके तहत भारत और चीन एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि विकास के साझेदार हैं। दोनों पक्षों ने माना कि आर्थिक व व्यापारिक संबंधों, सांस्कृतिक सहयोग और जन-जन के बीच संपर्क को बढ़ावा देकर परस्पर लाभकारी परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *